हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 306, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 8 मई, 2024 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

तीसरे चरण की सभी 10 सीटों पर 55% से ज्यादा वोटिंग, संभल सबसे आगे

लखनऊ। तीसरे चरण में लोकसभा चुनाव के लिए यूपी की 10 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। तीसरे चरण की सभी 10 सीटों पर 55% से ज्यादा वोटिंग हुई। हालांकि मतदान केंद्र के अंदर मौजूद लोग छह बजे के बाद भी वोट डाल सकेंगे। इन दस सीटों पर 100 प्रत्याशियों में आठ महिला उम्मीदवार हैं। फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र में चुनाव में निष्पक्षता तार-तार हो गई। बैलेट यूनिट का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। भाजपा कार्यकर्ता मोबाइल लेकर बूथ के अंदर पहुंचा। वोट डालने के दौरान बैलेट यूनिट का फोटो खींच लिया और फिर वायरल कर दिया। आगरा में तीसरे चरण के मतदान के दौरान वोट डालने के लिए गया युवक पुलिसकर्मियों की बर्बरता का शिकार हो गया। मामला थाना ताजगंज क्षेत्र के पुरानी मंडी स्थित नगर निगम पोलिंग बूथ का बताया जा रहा है। युवक ने बताया कि वो वोट डालने के बाद बूथ के अंदर से आ रही अपनी पत्नी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उस पर लाठी बरसाना शुरू कर दीं। वो अपनी सफाई देता रहा, लेकिन

पुलिस वालों ने उसकी एक न सुनी। संभल की असमोली विधानसभा क्षेत्र के गांव ओबरी में मतदान केंद्र पर लोगों के भागने का वीडियो सामने आया है। आरोप है कि पुलिस मतदान नहीं करने दे रही है। इसे लेकर कांग्रेस और सपा ने एक्स पर पोस्ट किया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि संभल लोकसभा में प्रशासन खुलेआम सत्ता के संरक्षण में चुनाव प्रभावित कर रहा है। आरोप लगाया कि असमोली विधानसभा के ग्राम ओवरी में पुलिस बल मतदाताओं के साथ अभद्रता और मारपीट कर रहा है। इसके अलावा उन्हें वोट डालने से रोका जा रहा है। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जियाउर्रहमान बर्क और गठबंधन दल के घटक दलों के नेता और कार्यकर्ताओं ने जब इसका विरोध किया तो प्रशासन ने उसके साथ बल प्रयोग किया। बरेली के शीशगढ़ में सपा नेता हाजी गुड्डू को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। बीएलओ मतदान केंद्र से बाहर बैठे थे। इसी बीच सीओ वहां पहुंचे तो बीएलओ ने बताया कि सपा नेता ने उन्हें यहां बिठाया है और सपा का बस्ता उन्हें दे दिया है। जिसके बाद पुलिस ने सपा नेता को नजरबंद कर दिया। मैनपुरी से सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने भाजपा प्रत्याशी और उनके रिश्तेदारों पर मतदान को प्रभावित करने का आरोप लगाया। डिंपल यादव ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग असुर प्रवृत्ति के हैं। संविधान को खत्म करने की साजिश हो रही है। राम को मानने वाले सभी का सम्मान करते हैं। भाजपा राम के नाम पर सिर्फ वोट मांगती है। हाथरस में सुबह सात बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक कई बूथों पर मतदान बहिष्कार किया गया। अधिकारी मतदाताओं को मनाने में लगे रहे। अधिकतर सड़क निर्माण की मांग को लेकर मतदाता वोट न डालने पर अड़े रहे। हाथरस के गढ़ी धारू में मतदान कराने के लिए ग्रामीणों को समझाने जोनल मजिस्ट्रेट पहुंचे।

मैनपुरी में मतदान के दौरान बवालः भाजपा और सपा कार्यकर्ता भिड़े, जमकर हुए पथराव में दो लोग घायल; मची भगदड़

मैनपुरी। मैनपुरी के किशनी विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 176 तेजगंज पर बवाल हो गया। बताया गया है कि यहां पर भाजपा प्रत्याशी ठाकुर जयवीर सिंहब के पुत्र सुमित प्रताप सिंह पहुंचे थे। इस दौरान हंगामा शुरू हो गया। देखते ही देखते पथराव होने लगा। इस दौरान मौके पर भगदड़ मच गई। कई गाड़ियां पथराव में क्षतिग्रस्त हो गईं। पथराव के दौरान भाजपा के एजेंट सुदेश कुमार और प्रधान प्रतिनिधि करण बहादुर सिंह घायल हो गए। इस दौरान मौके पर उपदेश खलीफा के पुत्र पवन सिंह चौहान भी साथ में थे।

मुसलमानों को आरक्षण से जुड़े लालू के बयान पर मोदी का पलटवार, बोले- मेरे दावे पर लगाई मुहर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदनगर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू यादव के बयान को लेकर जबरदस्त हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव संतुष्टिकरण और तुष्टिकरण के बीच हो रहा है। BJP-NDA का पूरा प्रयास अपनी मेहनत से देशवासियों को संतुष्ट करने का है, वहीं इंडि-अघाड़ी वाले अपनी साजिशों से अपने वोट बैंक के तुष्टिकरण में लगे हैं। आज के दिन कांग्रेस और INDI गठबंधन ने अपनी बहुत खतरनाक साजिश पर खुद ही मुहर लगा दी है। पीएम ने कहा कि इतने दिनों से मैं देश से कह रहा था कि कांग्रेस और उसके साथी बहुत खतरनाक खेल में लगे हैं, आज कच्चा गठबंधन के सबसे बड़े नेता ने इससे पर्दा भी उठा दिया है। ये बिहार में अभी-अभी जेल से बाहर आए हैं। इन्होंने आज मीडिया के सामने साफ कहा है कि INDI गठबंधन की सरकार आई तो देश में मुसलमानों को आरक्षण देंगे और पूरा का पूरा देंगे। INDI गठबंधन का कहना है कि ये पूरा का पूरा आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए महाराष्ट्र की जनता आतुर है!

4 जून के बाद इंडि-अघाड़ी वालों की झंडी उठाने वाला भी कोई नहीं मिलेगा। चुनाव से पहले ये जो भानुमति का कुनबा जुड़ा था, ये 4 जून को रेत के टीले की तरह बिखरने वाला है। आज तीसरे चरण का मतदान चल रहा है, हर ओर भाजपा और NDA को भरपूर समर्थन मिल रहा है। तीसरे चरण के मतदान ने ये साफ कर दिया है कि 4 जून को इंडि-आघाड़ी की एक्सपायरी डेट तय हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि INDI अघाड़ी का कोई हथकंडा जनता के सामने नहीं चल रहा है। यह हताशा सीमा पार भी दिखाई दे रही है। यहां वाली A टीम हार रही है, इसलिए कांग्रेस की सीमा पार वाली B टीम एक्टिव हो गई है। सीमा पार से कांग्रेस का हौसला बढ़ाने के लिए ट्वीट किए जा रहे हैं तो बदले में कांग्रेस पाकिस्तान को आतंकी हमलों में क्लीन चिट दे रही है। उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता का बयान तो और भी खतरनाक है। ये कांग्रेसी मिलकर अब आतंकी कसाब का पक्ष ले रहे हैं। कांग्रेस के समय विदेश राज्य मंत्री और परिवार के करीबी ने कसाब को निर्दोष बता दिया है, यह मुंबई हमले में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों, यह मुंबई हमले में सभी आतंकियों को मारने वाले सुरक्षाबलों का अपमान है। देश को किस तरफ ले जाना चाह रही है कांग्रेस?

मोदी सरकार में भारत काफी डिजिटल हुआ : एस. जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में विकसित भारत 2047 कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान आतंकवाद, विदेश नीति सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। एस जयशंकर ने कहा कि आज के समय भारत की छवि ऐसी है कि जहां पर मित्रता निभाने की जरूरत होती है, वहां हम दोस्ती निभाते हैं, लेकिन हम निष्पक्ष फैसला लेते हैं। दुनिया समझ चुकी है कि आज का भारत काफी हद तक बदल चुका है। एस जयशंकर के 'आज का भारत' का मतलब है कि जब 2014 से लेकर अब तक। एस जयशंकर ने आगे आतंकवाद का जिक्र करते हुए कांग्रेस और भाजपा शासन की तुलना की। उन्होंने कहा,"मुंबई हमलों में क्या हुआ और उरी और बालाकोट में क्या हुआ। आज का भारत आतंकवाद के साथ अलग तरीके से निपटता है। हमारे सैनिक

चीन की सीमा पर डटे हुए हैं। हम पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव था। हमारे हितों के लिए रूस से तेल खरीदना जरूरी था तो हमने रूस से तेल खरीदा।" एस जयशंकर ने डिजिटलीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार में भारत काफी डिजिटल हो चुका है। एसजयशंकर ने छात्रों से पूछा कि आप में से कितने लोग आज कैश का यूज करते हैं? उन्होंने कैशलेस लेनदेन के महत्व का भी जिक्र किया। एस जयशंकर ने कहा,"आज के समय देश प्रति माह 10-11 बिलियन कैशलेस लेनदेन करता है। अमेरिका एक वर्ष में 4 बिलियन डिजिटलीकरण लेन-देन करता है। चीन एक वर्ष में अधिकतम 20 बिलियन लेन-देन डिजिटल माध्यम से करता है।" विदेश मंत्री ने आगे कहा कि कुछ समय में भारत तीसरा सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था वाला देश बनने जा रहा है।

कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, दो दहशतगर्द ढेर, ऑपरेशन जारी

जम्मू कश्मीर। दक्षिण कश्मीर के जिला कुलगाम के रेडवानी इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें से दो आर्तकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। शवों की पहचान किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। ऑपरेशन अभी चल रहा है। कश्मीर जोन पुलिस ने यह जानकारी दी है। सोमवार देर रात आर्तकियों के साथ शुरू हुई मुठभेड़ मंगलवार सुबह दूसरे दिन फिर शुरू हुई। देर रात कुलगाम के रेडवानी इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया। इलाके में प्रवेश तथा निकासी के सभी रास्तों को सील कर दिया गया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, देर रात तक कोई आतंकी मारा नहीं गया। अंधेरा होने की वजह से सुरक्षाबलों की ओर से अतिरिक्त सतर्कता बरती गई, ताकि किसी प्रकार का नुकसान न होने पाए। मंगलवार सुबह एक बार फायरिंग शुरू हुई। शनिवार शाम को पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के डन्ना शाहसितार क्षेत्र में वायुसेना के वाहनों पर आतंकी हमला किया गया। इस हमले में पांच वायु सैनिक

घायल हो गए। घायलों में शामिल विक्की पहाड़े बलिदान हो गए। हमले के बाद से ही सुरनकोट व मेंढर के 20 किलोमीटर तक क्षेत्र में घेराबंदी की गई है। ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया है। इलाके में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और एसओजी के एक हजार से अधिक जवानों ने मोर्चा संभाल रखा है। सोमवार को सेना ने दो आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दिया कोई फैसला, बिना आदेश दिए उठी बेंच

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई, लेकिन सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की बेंच बिना कोई आदेश दिए उठ गई। अब सुप्रीम कोर्ट बेंच गुरुवार या फिर अगले हफ्ते केजरीवाल की याचिका पर आदेश पारित कर सकती है। केजरीवाल ने कोर्ट में अंतरिम जमानत देने की मांग की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए 3 मई को जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा था कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है ताकि वे चुनाव प्रचार में शामिल हो सकें। मामले की सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट को बताया कि अरविंद केजरीवाल साल 2022 में गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान 7 स्टार ग्रैंड हयात होटल में ठहरे थे और होटल के बिल का भुगतान चनप्रीत

सिंह द्वारा किया गया था। चनप्रीत सिंह पर आरोप है कि गोवा चुनाव में आम आदमी पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए उन्हें ही कथित तौर पर फंड मिला था। ईडी के वकील एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत का विरोध करते हुए कहा कि 'यह राजनीति से प्रेरित मामला नहीं है। हम इस मामले में हो रही राजनीति को लेकर चिंतित नहीं हैं, लेकिन हमारी चिंता सबूतों को लेकर है। शुरूआत में अरविंद केजरीवाल पर हमारा फोकस नहीं था और न ही ईडी केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई का विचार कर रही थी, लेकिन जैसे जैसे जांच आगे बढ़ी तो केजरीवाल की भूमिका साफ हो गई।' सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील सिंघवी से कहा कि अगर हम अंतरिम जमानत देते हैं तो केजरीवाल बतौर सीएम आधिकारिक काम नहीं कर पाएंगे क्योंकि इससे समस्या हो सकती है और हम सरकार के कामकाज में दखल नहीं देना चाहते। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की तरफ से एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें रखीं।

'हिस्ट्रीशीट पुलिस का आंतरिक दस्तावेज, सार्वजनिक नहीं कर सकते', अमानतुल्लाह खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिस्ट्रीशीट पुलिस का आंतरिक दस्तावेज है और इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े लोगों को खिलाफ दर्ज हिस्ट्रीशीट में छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। दिल्ली की ओखला विधानसभा सीट से आप विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने विभिन्न मामलों में 18 मुकदमे दर्ज किए थे। पुलिस ने इन मामलों में जो हिस्ट्रीशीट तैयार की थी, जिसमें अमानतुल्लाह खान को बुरे चरित्र वाला बताया गया था। दिल्ली पुलिस के इस फैसले के खिलाफ अमानतुल्लाह खान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हिस्ट्रीशीट को पुलिस का आंतरिक दस्तावेज बताया। अमानतुल्लाह खान के वकील ने कहा कि अधिकारियों ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम किया। अमानतुल्लाह खान ने अपनी याचिका में सवाल उठाया कि दिल्ली पुलिस ने हिस्ट्रीशीट में उनके नाबालिग बेटों और पत्नी के नाम भी सार्वजनिक किए हैं। इस

पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अगर किसी पुलिस अधिकारी ने जानबूझकर अमानतुल्लाह खान के नाबालिग बेटों की पहचान हिस्ट्रीशीट में उजागर की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी राज्यों से अपराधियों के खिलाफ हिस्ट्रीशीट की नीति स्पष्ट करने का निर्देश दिया।

राम पर आस्था रखने वाले विकास कर सकते हैं आतंकियों के मुकदमे वापस लेने वाले नहीं : योगी

सीतापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीतापुर के नैमिषराण्य में अपने भाषण की शुरूआत रामचरितमानस की पंक्तियों के साथ की है। उन्होंने कहा कि तीर्थवर नैमिष विख्याता.... मैं नैमिष की इस पवित्र धरा को प्रणाम करता हूं। वह मंगलवार को चुनाव प्रचार के सिलसिले में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। जहां उन्होंने कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज मुझे एक बार फिर भारत के वैदिक ज्ञान की परंपरा को प्रदान करने वाली पावन धरा... मां ललिता की इस दैवीय शक्ति वाली धरा में आने का सौभाग्य मिला। यह नैमिष का ही महत्व है कि आज दुनिया जनपद सीतापुर और उत्तर प्रदेश की ओर देख रही है। जब भी कोई राम के अस्तित्व को नकारने का काम करता है तो नैमिषारण्य की धरती प्रमाण के साथ खड़ी होती है। भगवान राम के अस्तित्व, कृष्ण के अस्तित्व को चुनौती देना एक फैशन सा बन गया है। इसके बारे में यही कहूंगा विनाशकाले विपरीत बुद्धि। जब किसी की बुद्धि भ्रष्ट होती है तो वह आपके सनातन धर्म को अपशब्द कहता है। यहां प्रभु श्रीराम

की सत्ता को चुनौती देने वाले कहां ठहर पाएंगे। बीते 10 साल में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। जैसे एक नई अयोध्या तैयार हो गई है, ऐसे ही एक नया नैमिषारण्य बनकर तैयार हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिस दिन नया नैमिषारण्य पूरी तरह उभर कर आएगा, रोजगार भी सृजित होगा। यह काम वही कर सकता है जो राम पर आस्था रखता हो। जो राम भक्त है। यह काम भाजपा ही कर सकती है। यह वो नहीं कर सकते जो आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेते हैं। आज तीसरे चरण में फिर से मतदान हो रहा है। यह 400 पार करने का लक्ष्य नजदीक आ गया है। अबकी बार मोदी सरकार फिर आएगी। 400 का लक्ष्य भी पूरा होगा। आज की पीढ़ी सौभाग्यशाली है, जिसने बदलते भारत को देखा है। आज की पीढ़ी कह सकती है कि हमने वो काल देखा है जब प्रभु श्रीराम अयोध्या में विराजमान हुए। आतंकवाद को नेस्तनाबूत करके हमेशा के लिए राम नाम सत्य कर दिया। हमने वो भारत देखा है जब हाईवे, एक्सप्रेस वे, ट्रिपल आईटी से लेकर हर घर जल की योजना लागू हो रही है। 80 करोड़ लोग राशन की सुविधा का फ्री में लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

अब तक 12 करोड़ लोगों को शौचालय दिए जा चुके हैं। 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि प्राप्त हो रही है। सीतापुर जिले को सर्वाधिक गैस सिलेंडर व शौचालय दिए गए। जिनके घर मे सिलेंडर नहीं हैं। चुनाव के बाद उन्हें मिलेगा। जिसको घर नहीं मिल पाया है चुनाव बाद घर मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब आपका वोट कांग्रेस या सपा को जाता था तो अयोध्या में और काशी में हमला होता था। आज मंगलवार का दिन है सपा ने संकटमोचक मंदिर में हमला करवाया था।

10 मई को कन्नौज व कानपुर में संयुक्त जनसभा को संबोधित करेंगे राहुल गांधी-अखिलेश यादव

लखनऊ। अयोध्या और कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के बाद अब इंडिया गठबंधन ने अपने अगले कदम का एलान कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 10 मई को पहले कन्नौज और फिर कानपुर में संयुक्त रूप से जनसभा को संबोधित करेंगे। इस संबंध में कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। राहुल गांधी आने वाले शुक्रवार को अखिलेश यादव के समर्थन में कन्नौज में जनसभा को संबोधित करेंगे। अखिलेश यादव कन्नौज लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हैं। इसके बाद दोनों नेता कानपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। कानपुर में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आलोक मिश्रा चुनावी मैदान में हैं। यूपी में इंडिया गठबंधन के तहत सपा 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के बाद विपक्ष संभावित नफा-नुकसान का आकलन कर रहा था जिसके बाद अब राहुल-अखिलेश की संयुक्त जनसभा का एलान किया गया है।

संपादकीय

नेपाल ने नए नोट से छेड़ा सीमा विवाद लेकिन हकीकत नहीं बदलेगी

पड़ोसी देश नेपाल के साथ सीमा पर कुछ क्षेत्रों को लेकर विवाद नई बात नहीं है, लेकिन जिस तरह से नेपाल सरकार ने सौ रुपये के नए नोट पर इन विवादित क्षेत्रों को अपने देश का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा छापने का फैसला किया है, वह वाकई चौंकाने वाला है। नेपाल भारत के सबसे करीबी पड़ोसी देशों में शामिल है। इसकी 1850 किलोमीटर से भी लंबी सीमा भारत के पांच राज्यों से मिलती है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों की भी जड़ें काफी गहरी हैं। बावजूद इसके, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के संबंधों में खासा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। अगर सीमा संबंधी इसी मसले को देखा जाए तो चार साल पहले दोनों देशों के बीच यह मुद्दा काफी गरमा गया था। साल 2020 में तत्कालीन केपी ओली सरकार ने जब देश का नक्शा अपडेट किया तो उसमें तीन क्षेत्र- लिपुलेख, लिपियाधुरा और कालापानी झ नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाए गए थे। मामला तब और भड़का जब भारत ने 8 मई 2020 को लिपुलेख होते हुए मानसरोवर की ओर जाने वाली सड़क का उद्घाटन किया। नेपाल ने इस पर कड़ी आपत्ति की जबकि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से होकर जाती हुई यह सड़क पूरी तरह भारत के इलाके में पड़ती है। उस वक्त नेपाल सरकार ने नक्शे में बदलाव को मजबूती देने के लिए इसके पक्ष में संविधान संशोधन विधेयक भी पारित किया था। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों देशों में अस्थायी तौर पर संवाद बंद कर दिया गया। लेकिन ऐसे विवाद इस तरह के माहौल में नहीं सुलझाए जा सकते। जल्दी ही दोनों पक्षों को इसका अहसास हुआ और इस मसले को एक साझा प्लैटफॉर्म पर धीरे-धीरे बातचीत के जरिए सुलझाने पर सहमति बनी। यह प्रक्रिया जारी है। ऐसे में अचानक एकतरफा ढंग से किया गया यह फैसला स्वाभाविक ही चौंकाता है। गौर करने की बात यह है कि नोट पर नक्शा छापने के फैसले पर नेपाल के अंदर भी सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि जिन पर क्षेत्रों पर नेपाल के दावों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता हासिल नहीं हुई है, उन्हें देश की करंसी पर छापने का फैसला कहीं जल्दबाजी न साबित हो। बहरहाल, जहां तक सीमा संबंधी मतभेदों के सवाल हैं तो भारत स्पष्ट कर चुका है कि इस तरह की एकतरफा कार्रवाई से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली। इस विवाद को निपटाने की जो प्रक्रिया दोनों देशों ने आपसी सहमति से तय की है, उसे आगे बढ़ाते हुए किसी सहमति पर पहुंचना ही सर्वश्रेष्ठ विकल्प है।

कौन किस पर भारी!

होगी किसकी जीत ।
कौन किस पर भारी ।।
जोर शोर से सबकी ।
है अपनी तैयारी ।।
सबके अपने दावे ।
और हैं विचार ।।
फैसला पर जनता का ।
करना भी स्वीकार ।।
अपने अपने क्षेत्र में ।
ठोक रहे सब ताल ।।
दिन है वो नजदीक ।
करने को कमाल ।।
चढ़ा सियासी पारा ।
पाने को अधिकार ।।
हैं सारे आश्वस्त ।
उन्हें पहनना हार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

विरासत के सहारे जीत की तलाश करते हुए राहुल गांधी

सुरेश हिंदुस्तानी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तरप्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ पाने की हिम्मत के बाद आखिर परम्परागत रायबरेली से नामांकन दाखित कर दिया। यह बात सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस सन्देश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और माँ सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यहाँ सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा। क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी जमीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहाँ से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थीं, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पायी है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहाँ लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहाँ तक कि प्रियंका वाड्रा के पति रोबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए। ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि कांग्रेस ने आनन फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो सन्देश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहाँ कांग्रेस का परम्परागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू गांधी परिवार की विरासत भी है। कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नए सिरे से अपनी जमीन तैयार करनी पड़ती है। और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है। राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहाँ से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं। मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेंगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। जब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसा तो तब हुआ, जब उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, इसलिए कांग्रेस उत्तरप्रदेश में अच्छी खासी जीत हासिल करती थी। लेकिन अब उत्तरप्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। अब कांग्रेस के पास पहले जैसा वोट बैंक भी नहीं है, हालांकि इस चुनाव में सपा का समर्थन कांग्रेस के पास है, इसलिए चुनाव में सपा के कार्यकर्ता भी राहुल का प्रचार करेंगे, ऐसे में निश्चित ही कांग्रेस का वजूद बढेगा ही, यह तय है, लेकिन कितना बढ़ेगा, यह कहने में जल्दबाजी ही होगी।

वर्तमान में कांग्रेस के लिए यह पेचीदा सवाल ही था कि कांग्रेस की ओर से अमेठी और रायबरेली से किसको प्रत्याशी घोषित किया जाए, क्योंकि इन दोनों सीटों पर प्रथम तो गांधी परिवार का पुख्ता दावा बनता था। इसलिए दोनों क्षेत्रों में से किसी एक से प्रियंका वाड्रा को चुनाव मैदान में उतारने की कवायद भी की जा रही थी, लेकिन प्रियंका को इस बार चुनाव लड़ने से दूर कर दिया। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी के रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कांग्रेस अमेठी के चुनाव को गंभीरता से लेगी, क्योंकि अब कांग्रेस का पूरा जोर राहुल गांधी को जिताने में लगेगा। राहुल गांधी को जिताना कांग्रेस की मजबूरी है, क्योंकि अब राहुल गांधी ही नहीं, पूरी कांग्रेस की साख दांव पर लगी है। अगर कांग्रेस रायबरेली से चुनाव हारती है तो देश में कांग्रेस के बारे में गलत सन्देश जाऐगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी आ रहा है कि राहुल गांधी द्वारा पिछले चुनाव में भी दो स्थानों से चुनाव लड़े थे, जिसमें अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वायनाड से उम्मीदवारी के बाद रायबरेली की रुख करके फिर से संदेह को जन्म दिया है। ऐसा लग रहा है कि इस बार वायनाड का चुनाव बहुत ही टक्कर का माना जा रहा है। कुछ खबरें तो राहुल गांधी के हारने तक की बात कह रही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसलिए ही राहुल गांधी को फिर से दो स्थानों से चुनाव लड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी का उत्तरप्रदेश से चुनाव लड़ना कोई नया नहीं है, वे अमेठी से भी चुनाव लड़ चुके हैं। इसलिए उनके नाम का जादू कोई नया प्रभाव छोड़ेगा, यह पूरी तरह विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता।

शंकाओं के समाधान करने की पहल जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

कोविड वैक्सीन कोविशील्ड को लेकर देश-दुनिया में कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन से साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा बहुत दुर्लभ मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ने कोविशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

अप्रैल, 2021 में जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने यह वैक्सीन लगवाई थी। इसके बाद उनकी हालत खराब हो गई। शरीर में खून के थक्के बनने का सीधा असर उनके दिमाग पर पड़ा। इसके अलावा स्कॉट के ब्रेन में इंटर्नल ब्लीडिंग भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने उनकी पत्नी से कहा था कि वो स्कॉट को नहीं बचा पाएंगे। पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई, 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से टीटीएस नहीं हो सकता है। हालांकि, इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा संबंधित मामलों को देखते हुए यूके में अब ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन इस्तेमाल नहीं की जाती है। हालांकि, कई इंडिपेंडेंट स्टडीज में इस वैक्सीन को महामारी से निपटने में बेहद कारगर बताया गया। वहीं, साइड इफेक्ट्स के मामलों की वजह से इस वैक्सीन के खिलाफ जांच शुरू की गई और कानूनी कार्रवाई हुई। कोरोना से बचाने में कोविड वैक्सीन को काफी मददगार माना गया। मगर ब्रिटिश फार्मा कंपनी की एस्ट्राजेनेका ने एक मामले में कबूला कि उसकी वैक्सीन के दुर्लभ साइड इफेक्ट में हार्ट अटैक हो सकता है। भारत में बड़े पैमाने पर इसे कोविशील्ड के नाम से लगवाया गया है। मॉडर्न लाइफ स्टाइल में ज्यादातर लोग घंटों ऑफिस में एक जगह बैठकर काम करते हैं, जिसके कारण कई सारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जब आप काफी देर तक एक ही जगह बैठे रहते हैं तो शरीर में खून के थक्के जमने की समस्या बढ़ जाती है। शरीर में खून के थक्के जमना को वेन थ्रोम्बोसिस की बीमारी कहते हैं।

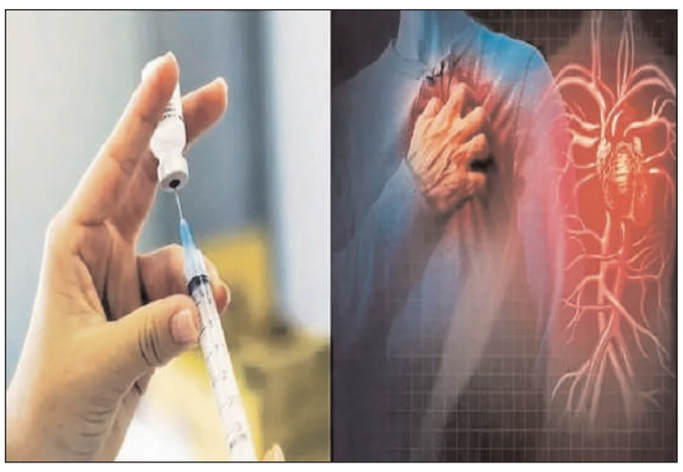

ब्लड क्लॉटिंग की बीमारी किसी भी व्यक्ति के शरीर में हो सकती है। काफी ज्यादा एक जगह बैठने के कारण यह बीमारी हो सकती है। हालांकि, यह बीमारी खतरनाक रूप तब ले लेती है जब ब्लड क्लॉट्स का एक हिस्सा टूट जाता है और फेफड़ों तक पहुंच जाता है। इसे पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहते हैं। थ्रोम्बोसिस के कारण हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और प्लेटलेट्स गिरने का खतरा बढ़ जाता है। दिल का दौरा (मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन) बेहद खतरनाक स्थिति है, जिसमें दिल की एक या उससे अधिक धमनियों में ब्लॉकेज होने लगते हैं। इसके कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। दिल में सही तरीके से ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है, जिसके कारण खून के थक्के जमने लगते हैं और बाद में हार्ट अटैक पड़ जाता है। ब्रेन स्ट्रोक की स्थिति में भी यही होता है कि ब्रेन में ब्लड ठीक तरीके से नहीं पहुंच पाता है। दिमाग में ऑक्सीजन की कमी के कारण ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

खास बात यह है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल अब ब्रिटेन में नहीं हो रहा है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में आने के कुछ महीनों बाद वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन के खतरे को भांप लिया था। सुझाव दिया गया था कि 40 साल से कम उम्र के लोगों को दूसरी किसी वैक्सीन का भी डोज दिया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन से होने वाले नुकसान कोरोना के खतरे से ज्यादा थे। मेडिसिन हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी (एमएचआरए) के मुताबिक ब्रिटेन में 81 मामले ऐसे हैं, जिनमें इस बात की आशंका है कि वैक्सीन की वजह से खून के थक्के जमने से लोगों की मौत हो गई। एमएचआरए के मुताबिक, साइड इफेक्ट से जूझने वाले हर 5 में से एक व्यक्ति की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रीडम ऑफ इन्फॉर्मेशन के जरिए हासिल किए गए आंकड़ों के मुताबिक ब्रिटेन में फरवरी में 163 लोगों को सरकार ने मुआवजा दिया था। इनमें से 158 ऐसे थे, जिन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन लगवाई थी। दूसरा पहलू यह है कि कोरोना के समय में इसी वैक्सीन ने लाखों लोगों की जान भी बचाई थी। कई स्टडीज में यह साबित हुआ है कि कोरोना महामारी के दौरान एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन आने के बाद पहले साल में ही इससे करीब 60 लाख लोगों की जान बची है। वर्ल्ड हेल्थ ने भी कहा था कि 18 साल या उससे ज्यादा की उम्र वाले लोगों के लिए यह वैक्सीन सुरक्षित और असरदार है। इसकी लॉन्चिंग के वक्त ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इसे ब्रिटिश साइंस के लिए एक बड़ी जीत बताया था। भारत में इसी फॉमूर्ले से बनी कोविशील्ड के 175 करोड़ डोज लगे। फिलहाल कोविशील्ड की यह खबर आने के बाद लोगों की चिंता बढ़ गयी है। कुल मिलाकर इस संवेदनशील मामले में स्वास्थ्य मंत्रालय को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

अस्तित्व बचाने के संकट से जूझती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश की कम्युनिस्ट पार्टियों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। साल 2004 कम्युनिस्ट पार्टियों के उम्थान का काल कहा जाए तो उसके बाद वाम दलों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व लगातार कम ही होता जा रहा है। अब 18 वीं लोकसभा के चुनावों में वामदलों के सामने अपने अस्तित्व को बचायें रखने का संकट खड़ा हो गया है। आजादी से पहले और उसके बाद के दौर में एक समय था जब वामदलों की पूरे देष में तूती बोलती थी। सरकार भले ही कम ही राज्यों में रही हो पर वामदल और उसके अनुसंघी संगठन चाहे वह स्टूडेंट फैडरेशन हो या मजदूर संगठन या लेखक संघ सभी की अपनी पहचान और फोलोवर्स रहे हैं। पर समय का बदलाव देखिये कि आज वामदलों के सामने पहचान बनाये रखने का संकट खड़ा हो गया है। प. बंगाल में तो वामदलों तीन दशक से भी अधिक समय तक एक सत्र राज किया, वहीं त्रिपुरा, केरल में भी वामदलों की सरकार रही है। पर 2019 के लोकसभा के चुनाव आते-आते तो हालात यह हो गई कि वामदलों के गढ़ प. बंगाल में तो वामदलों को एक भी सीट नहीं मिली, वहीं त्रिपुरा में भी खाता खोलने में विफल रही। दरअसल समय की मांग को समझना और उसके अनुसार समयानुकूल बदलाव करना अपने आप में बड़ी बात होती है। जनभावना को भी समझना जरुरी हो जाता है। केवल विचारधारा और एग्रेसिव होने से काम नहीं चल सकता। फिर अपने अपने अहम् के चलते समय पर सही निर्णय नहीं लेने का परिणाम देर सबेर भुगतना पड़ता है। ज्योति बसु के पास तीन बार प्रधानमंत्री बनने के अवसर आये पर पोलिट ब्यूरों ने उन्हें प्रधानमंत्री बनाने पर सहमति नहीं दी। कल्पना कीजिए कि ज्योति बसु तीन में से किसी एक अवसर पर प्रधानमंत्री बनते तो उसका लाभ अंततोगत्वा वामदलों को ही मिलता पर आपसी मतभेदों या मनभेदों के चलते सही विकल्प नहीं चुनने का परिणाम आज सामने हैं।

गत 2019 के लोकसभा चुनावों की ही बात की जाएं तो वामदलों को लोकसभा के लिए छह सीटे मिली हैं। इसमें भी एक समय कम्युनिस्टों के गढ़ रहे प. बंगाल और त्रिपुरा में तो वामदलों का खाता भी नहीं खुल सका। तमिलनाडु में गठबंधन के सहारे माकपा और भाकपा को दो-दो सीटे मिल गई वहीं केरल में माकपा और आरएसपी एक-एक सीटें जीतने में सफल हो सकी। जैसे तैसे केवल माकपा राष्ट्रीय दल के रुप में अपनी पहचान बनाने में सफल रही है। यह भी कोई ज्यादा पुरानी बात नहीं है कि लोकसभा के इससे पहले के तीन चुनावों के पहले 2004 के चुनावों में वामदलों के पास 59 सीटें थी। हालात यह थे कि कांग्रेस-भाजपा के बाद लोकसभा की तीसरी बड़ी ताकत वामदल थे। कांग्रेस के साथ गठबंधन कर वामदल सरकार में भी शामिल हुए। लोकसभा स्पीकर का पद भी वामदलों के पास ही गया। देखा जाए तो न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत सरकार भी ठीक ही चली पर परमाणु समझौते के चलते बाद में वामदल सरकार से बाहर हो गए।

नहीं रहे सरदार दर्शन सिंह, साहित्य चेतना समाज ने शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। साहित्य चेतना समाज की शोक सभा नगर के वंशीबाजार स्थित स्वामी विवेकानन्द कॉलोनी में संस्था के कैम्प कार्यालय पर हुई। सभा में संस्था द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु गाजीपुर गौरव सम्मान से सम्मानित सरदार दर्शन सिंह के निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। 7 जून 1942 को जन्में सरदार दर्शन सिंह विगत लगभग पाँच दशकों से विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर सामाजिक जीवन में अति सक्रिय रहे। इन संस्थाओं में अति प्राचीन रामलीला समिति, रेडक्रॉस सोसायटी, उ.प्र. उद्योग व्यापार मण्डल, वृद्धाश्रम, परिवार परामर्श समिति, जनपद स्वास्थ्य समिति आदि प्रमुख हैं। इनकी इतनी लंबी सामाजिक सेवा को दृष्टिगत विगत 17 मार्च को साहित्य चेतना समाज ने इन्हें वर्ष 2024 के 'गाजीपुर गौरव सम्मान' से सम्मानित किया था। शोक सभा में डॉ. रविनन्दन वर्मा, राजीव मिश्र, हीरा राम गुप्ता, प्रभाकर त्रिपाठी, संजीव गुप्त, अमरनाथ तिवारी अमर, शशिकांत राय, आनन्द प्रकाश अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान में किया गया जागरूक

जखनियां गाजीपुर। क्षेत्र के राम नगीना किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुडियारी परिसर मे मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मतदान को राष्ट्रीय पर्व जैसे मनाने के साथ ही प्रबंधक राम नगीना यादव ने छात्र-छात्राओं को मतदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मत का प्रयोग करने से देश की दिशा और दशा बदलने में सहयोग होता है। इसे स्वयं के अलावा अपने घरो के आस पास के लोगों को भी मतदान करने के लिये जागरूक करें। बूथ पर सभी को पहुंचाने का आवाहन करते हुए कहा अपने मत का प्रयोग बिना किसी प्रलोभन व लालच में स्वयं के निर्णय से करें। एक मत से नए राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। मतदान करने के लिए हर मतदाता पूर्ण रूप से स्वतंत्र है, यह उसके अधिकार की बात है कि अपने मत का प्रयोग सही वह समय से करें। मौके पर प्राचार्य हीरालाल गौतम, डॉक्टर अशोक यादव, नरेंद्र कुमार गुप्ता, मारकंडे यादव, कैलाश यादव, मंगला प्रसाद पटेल, सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

विद्यालय के बच्चों को आग से बचने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

प्रखर केराकत, जौनपुर। भीषण गर्मी में जगह-जगह आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं ऐसी घटनाओं को लेकर अग्निशमन विभाग द्वारा अलर्ट है इन्हीं घटनाओं को रोकने के लिए विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी संदर्भ में आज केराकत में स्थित स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चों को आग से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है प्रभारी फायर स्टेशन केराकत अखिलेश पांडे और सूबेदार यादव के नेतृत्व में अग्निशमन विभाग की टीम ने मंगलवार को केराकत क्षेत्र की में स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल, राजकुमारी इंग्लिश मीडियम स्कूल सरकी, जी डी पब्लिक स्कूल केराकत इन विद्यालयों पर अग्निशमन विभाग की टीम ने बच्चों को प्रशिक्षण दिया कपड़े एवं बाल्टी का प्रयोग करके अलग-अलग विधि से आग बुझाने की कई गतिविधियों को सभी बच्चों को बताया गया कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के प्रबंधक पत्रकार अमित यादव, अध्यापक राममिलन यादव, प्रिया यादव, आंचल विश्वकर्मा, छाया यादव, पूनम सिंह, पूनम यादव, सलवा खान आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

अक्षरा सिंह का गाना अदा कातिलाना रिलीज

मुंबई,(वार्ता)। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह का नया गाना अदा कातिलाना रिलीज हो गया है। इस गाने में अक्षरा सिंह ने अपनी अदाओं की तारीफ की और बताया है कि उनकी अदाएं कैसे कातिलाना है। टी - सीरीज हमार भोजपुरी के प्रोजेक्ट मैनेजर सोनू श्रीवास्तव ने कहा कि अक्षरा सिंह, मुद्दसर खान और टी - सीरीज की तिकड़ी एक बार फिर से भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में बवाल मचाने वाला गाना अदा कातिलाना लेकर तैयार है। गाने अदा कातिलाना के गीतकार आजाद सिंह और संगीतकार विशाल सिंह हैं। गाने के निर्देशक और कोरियोग्राफर मुदस्सर खान हैं।

माइग्रेन के उच्च जोखिम से जुड़ी हैं एंटी-एसिडिटी दवाएं

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। एक शीर्ष न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार एसिडिटी के लिए दवाएं लेने से माइग्रेन का खतरा बढ़ सकता है। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के डॉ. सुधीर कुमार ने न्यूरोलॉजी क्लिनिकल प्रैक्टिस जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन का हवाला देते हुए यह बात कही। अमेरिका में मैरीलैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि प्रोटॉन पंप इनहिबिटर (पीपीआई) जैसे ओमेप्राज़ोल और एसोमेप्राज़ोल, एच 2 ब्लॉकर्स जैसे सिमेटिडाइन और फैमोटिडाइन और एंटासिड सप्लीमेंट सहित एसिड कम करने वाली दवाएं उच्च जोखिम से जुड़ी हैं। माइग्रेन और अन्य गंभीर सिरदर्द का खतरा अधिक होता है। डॉक्टर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऐसे लोग जो माइग्रेन या अन्य गंभीर सिरदर्द से पीड़ित हैं, और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल लक्षणों के इलाज के लिए पीपीआई या एच2आरए ले रहे हैं, यह देखने के लिए कि क्या उनका सिरदर्द कम होता है, इन दवाओं को बंद करना सार्थक हो सकता है। अध्ययन में पाया गया कि पीपीआई का उपयोग माइग्रेन और अन्य सिरदर्द के 70 प्रतिशत अधिक जोखिम से जुड़ा था, जबकि एच2आरए का उपयोग 40 प्रतिशत अधिक जोखिम से जुड़ा था। डॉ. सुधीर ने बताया, यह संभव है कि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्थिति और माइग्रेन रोग और लक्षणों के बीच संबंध हो।

अध्ययन
एसिड कम करने वाली दवाएं उच्च जोखिम से जुड़ी होती हैं। इनसे माइग्रेन और अन्य गंभीर सिरदर्द का खतरा अधिक होता है।

'भैया जी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म 'भैया जी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह मनोज बाजपेयी के करियर की 100वीं फिल्म है। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी का वो किरदार दिखाया गया है, जो बेबस है, लेकिन बदले की आग में जल भी रहा है।'भैया जी' के ट्रेलर को शेयर करने के साथ ही मनोज बाजपेयी ने रिलीज डेट का भी एलान किया है। ट्रेलर के कैप्शन में उन्होंने लिखा'प्रतिशोध का निवेदन।' 'भैया जी' को विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल और शैल ओसवाल ने प्रोड्यूस किया है। मनोज बाजपेयी इस फिल्म को को-प्रोड्यूसर भी है।

'मर्डर इन माहिम' जैसा किरदार पहले कभी नहीं निभाया : आशुतोष

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर आशुतोष राणा अपकमिंग साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'मर्डर इन माहिम' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें वह पीटर का किरदार निभा रहे हैं। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए बताया है कि कैसे जटिल किरदार निभाने से उन्हें ऊर्जा मिलती है। एक्टर को 'संघर्ष' में 'लज्जा शंकर पांडे' जैसी भूमिकाएं निभाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, मुझे मुश्किल किरदार निभाना पसंद है। 'मर्डर इन माहिम' में मेरा किरदार कुछ ऐसा है जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। सीरीज में इस भूमिका के व्यक्तित्व ने मुझे इस ओर सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। डार्क किरदारों को निभाने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए, आशुतोष ने कहाः ग्रे किरदारों को निभाना कलाकारों के लिए आसान नहीं होता। किरदार में उतरने के लिए आप वह बन जाते हैं और आपको उसी तरह से काम करना, सोचना और व्यक्त करना होता है। लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि जब आप वास्तविकता में वापस आते हैं, तो आप अपने अंदर अधिक मानवता पाते हैं। सोशल कमेंट्री सीरीज एक भयावह हत्या के रहस्य पर प्रकाश डालती है और मुंबई के अंदरूनी हिस्सों की पड़ताल करती है, जिसमें पीटर (आशुतोष) और जेंडे (विजय राज) के बीच खोई हुई दोस्ती के मेल-मिलाप को दिखाया गया है।

बेशक़ीमती हैं दांत इनकी करें सुरक्षा

एक बार जब एक्सटेंशन पल्प को खतरे का संकेत भेज देते हैं, तो हमारा दांत संवेदनशीलता अलार्म बज जाता है, जिसका मतलब होता है कि दांत का दिल आग की लपटों में है।

अपने दांत बचाएं, दंत चिकित्सक के पास जाएं दांतों की सड़न, मनुष्यों में सबसे अधिक प्रचलित बीमारी, पूर्वानुमान योग्य और रोकथाम योग्य दोनों है।

पिट्सबर्ग,(द कन्वरसेशन)। 2011 में इंग्लैड में एक नीलामी में जॉन लेनन का एक दांत 31,000 अमेरिकी डॉलर से कुछ अधिक में बिका। आपके दांत भी बेशकीमती हैं? दांत छोटे-छोट अद्भुत चमत्कार है। वे हमारी मुस्कुराहट को रोशन करते है, हम उन्हें बोलने के लिए उपयोग करते है और हम प्रत्येक भोजन को उनके साथ 600 से अधिक बार चबाते है। फिर भी, ऐसे समाज में जहां 75 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 5 में से 1 अमेरिकी अपने दांतों के बिना रहता है, बहुत से लोगों को शायद यह एहसास नहीं होगा कि दांत जीवन भर हमारे साथ रहने के लिए बनाए गए है। शोधकर्ता अभी भी दांतों के विकास के बारे में हमारी समझ को विकसित कर रहे है।

आजीवन कार्य करने के लिए डिज़ाइन

दांतों की लंबी आयु का रहस्य उनके स्थायित्व के साथ-साथ इस बात में भी निहित है कि वे जबड़े से कैसे जुड़े हुए है - एक हथौड़े और उसके हत्थे की पकड़ की तरह। प्रत्येक दाँत के लिए, स्थायित्व और स्थिरीकरण छह अलग-अलग ऊतकों के बीच जटिल इंटरफ़ेस के कार्य है; प्रत्येक अपने आप में एक जैविक चमत्कार है। मजबूती से टिकाए रखने के लिए, सीमेंटम, लिगामेंट और हड्डी दांत को उसके जड़ वाले हिस्से से जोड़ते है जो मसूड़े के नीचे दबा होता है। लिगामेंट, एक नरम ऊतक जो लगभग 0.2 मिलीमीटर चौड़ा (लगभग चार बालों के व्यास) होता है, एक छोर पर जड़ के सीमेंटम को दूसरे छोर पर जबड़े की हड्डी से जोड़ता है। यह दाँत को स्थिर रखने के साथ-साथ चबाने के दौरान उसकी गति को नियंत्रित करने का काम करता है। हालाँकि, स्थायित्व के लिए, रहस्य इनेमल, डेंटिन और पल्प में निहित है

इनेमल

इनेमल एक सुरक्षात्मक आवरण है जो मसूड़े के ऊपर दांत के दृश्य भाग को ढकता है। इसकी उच्च खनिज सामग्री के कारण, इनेमल शरीर का सबसे कठोर ऊतक है। ऐसा होना जरूरी भी है, क्योंकि यह चबाने के निरंतर प्रभाव के खिलाफ ढाल के रूप में कार्य करता है। इनेमल में कोशिकाएँ, रक्त वाहिकाएँ या तंत्रिकाएँ नहीं होती है, इसलिए यह निर्जीव और असंवेदनशील है। इनेमल भी दोबारा नहीं बनता है। एक बार सड़ने से नष्ट हो जाने या बर्फ चबाने, नाखून काटने या बोतल खोलने जैसे दुरुपयोग से टूट जाने पर - या डेंटल ड्रिल से छूने पर - हमारे अमूल्य इनेमल का वह हिस्सा हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। चूंकि यह रोगाणु से भरी दुनिया से जुड़ा रहता है, इनेमल भी वह जगह है जहां से क्षय शुरू होता है। जब एसिड पैदा करने वाले बैक्टीरिया बिना ब्रश किए या खराब तरीके से ब्रश किए गए दांतों पर जमा हो जाते है, तो वे इनेमल में खनिजों को आसानी से घोल देते है। दंत चिकित्सक परंपरागत भराव के साथ क्षय का इलाज कर सकता है जो दांत की संरचनात्मक अखंडता से शायद ही समझौता करता है।

दांत एक साथ आना

सीप के भीतर मोती की तुलना में अधिक जटिल - और अधिक कीमती - हमारे जबड़े की हड्डी के भीतर दांत के निर्माण में कई तहों का खनिज जमाव शामिल होता है। जैसे-जैसे दांतों का विकास परम सेलुलर इंजीनियरिंग की प्रक्रिया में आगे बढता है, उपरोक्त छह ऊतकों - इनेमल, डेंटिन, पल्प, सीमेंटम, लिगामेंट और हड्डी - की कोशिकाएं विशिष्ट रूप से इंटरलॉकिंग इंटरफेस बनाने के लिए एक-दूसरे के साथ समकालिक रूप से गुणा, विशेषज्ञता और खनिजकरण करती हैः इनेमल से डेंटिन तक , डेंटिन से पल्प, सीमेंटम से डेंटिन और सीमेंटम से लिगामेंट से हड्डी। दांत के सबसे शीर्ष वाला हिस्सा पूर्ण गठन तक लंबवत रूप से बढ़ता है।

डेंटिन और गूदा - दांत के शरीर और हृदय इनेमल की तुलना में कम खनिज सामग्री के साथ, डेंटिन दाँत का लचीला शरीर है। यह एक जीवित ऊतक है जो तरल पदार्थ और सेलुलर विस्तार वाले समानांतर छोटी ट्यूबों से बना है। दोनों की उत्पत्ति गूदे से होती है। गूदा दांत का नरम ऊतक कोर है।

'हाउसफुल 5' में दिखेंगे अभिषेक

नयी दिल्ली (भाषा)। अभिनेता अभिषेक बच्चन आगामी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। अभिषेक बच्चन ने 'हाउसफुल' फिल्म श्रृंखला की तीसरी कड़ी में अभिनय किया था। 'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के नाम की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। तरुण मनसुखानी 'हाउसफुल 5' का निर्देशन करेंगे। प्रोडक्शन हाउस 'नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक पेज पर बच्चन को इस फिल्म में शामिल किए जाने की सूचना दी। प्रोडक्शन हाउस ने पोस्ट में कहा,' हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अभिषेक बच्चन एक बार फिर से 'हाउसफुल' परिवार में शामिल हो रहे है, हम आपको वापस पाकर खुश है। इस श्रृंखला की पहली फिल्म 'हाउसफुल' 2010 में बनी थी।

निया को 15 घंटे की नींद के बाद भी उठने में आलस!

मुंबई (आईएएनएस)। 15 घंटे की नींद लेने के बावजूद एक्ट्रेस निया शर्मा को बिस्तर से उठने में आलस आ रहा है। निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह बिस्तर पर लेटी नजर आ रही हैं। उनका केवल आधा चेहरा ही दिखाई दे रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 15 घंटे की नींद के बाद जाग रही हूं और अभी भी तय नहीं कर पा रही हूं कि बिस्तर छोड़ना है या नहीं। निया ने 'काली- एक अग्निपरीक्षा' से छोटे पर्दे पर अपनी शुरुआत की थीं। अब वह 'सुहागन चुड़ैल' के साथ अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले उन्हें शो 'नागिन' में देखा गया था। एक्ट्रेस ने रियलिटी टीवी पर 'खतरों के खिलाड़ीः मेड इन इंडिया' और 'झलक दिखला जा' सीजन 10 जैसे शो में भी काम किया है।

मां कभी ऑफ-ड्यूटी नहीं होती : बिपाशा

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने फ्लाइट के दौरान अपनी बेटी देवी के साथ बेबी ड्यूटी पर रहने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए बताया कि मां बनने से पहले, वह हवाई जहाज में घंटों तक सोती हुई जाती थीं, लेकिन अब वह नहीं सोती। बिपाशा अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ मॉरीशस में छुट्टियां मनाने गई थीं। भारत लौटते वक्त, एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर तस्वीरों और वीडियो की एक सीरीज शेयर की। एक वीडियो में, करण बेटी देवी को अपनी गोद में खिला रहे हैं, उनकी ओर कैमरा करते हुए बिपाशा कहती हैं, मां को अब थोड़ा ब्रेक मिला। उन्होंने बेटी देवी के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह उनकी गोद में आराम कर रही है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मम्मा कभी भी ऑफ-ड्यूटी नहीं होती... 2015 में फिल्म 'अलोन' में काम करने के दौरान करण और बिपाशा एक-दूसरे के करीब आए थे। एक साल बाद उन्होंने शादी कर ली। कपल ने 2022 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।

टॉक्सिक में काम करेंगी नयनतारा!

मुंबई, (वार्ता) दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री नयनतारा, दक्षिण भारतीय स्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक में काम करती नजर आ सकती है। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर,, यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक से कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू करने वाली थीं, हालांकि बिजी शेड्यूल होने के चलते उन्होंने फिल्म छोड़ दी है। कहा जा रहा है कि करीना की जगह मेकर्स नयनतारा को फिल्म में कास्ट करने वाले हैं।नयनतारा ने फिल्म टॉक्सिक करने में इंटरेस्ट दिखाया है। इस फिल्म में नयनतारा, यश की बहन का किरदार निभाती नजर आ सकती है। नयनतारा ने पिछले वर्ष शाहरुख खान की फिल्म जवान से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसके बाद से ही उनकी पैन इंडिया इमेज बन चुकी है।

मन्नारा चोपड़ा को भारतीय ड्रेस ज्यादा पसंद

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा वेस्टर्न आउटफिट के बजाय भारतीय ड्रेस को ज्यादा चुनती हैं, क्योंकि यह उन्हें आरामदायक लगता है। मन्नारा ने कहा, मैं भारतीय आउटफिट्स ज्यादा पसंद करती हूं, क्योंकि यह गर्मियों के लिए बहुत आरामदायक है। बस जींस और जूती के साथ एक सुंदर लखनवी कुर्ती पहनें। मुझे अपने इस लुक से प्यार है। 'बिग बॉस' के 17वें सीजन से सुर्खियां बटोरने वाली एक्ट्रेस ब्यूटी के लिए ज्यादा कुछ नहीं करती।बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में डिजाइनर संध्या शाह के लिए रनवे पर वॉक करने वाली एक्ट्रेस ने कहा, यह ऑयली क्रीम है, बस इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं, एसी चालू करें और सो जाएं, और फिर अगले दिन आप बिल्कुल तरोताजा हो जाएंगे। एक्ट्रेस ने बताया कि अगर वह बाहर जाती हैं, तो बालों का जूड़ा बना लेती हैं और ट्रैक पैंट और शर्ट पहनती हैं।

'सिंघम अगेन' में हमारी भूमिका सशक्त : करीना

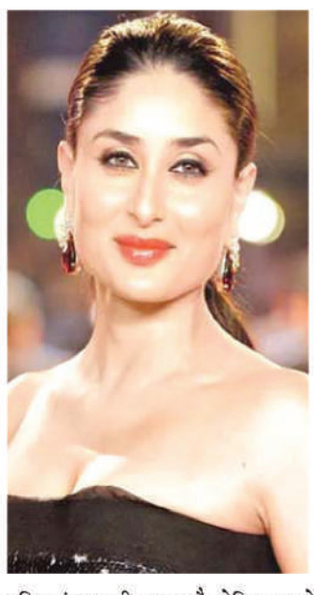

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर का कहना है कि फिल्म'सिंघम अगेन'में उनकी और दीपिका पादुकोण की भूमिका बेहद सशक्त है। बॉलीवुड फिल्मकार रोहित शेट्टी सिंघम सीरीज की अगली फिल्म सिंघम अगेन लेकर आ रहे है, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी कैमियो रोल में होंगें। इनके अलावा टाइगर श्राफ,करीना कपूर और दीपिका पादुकोण भी फिल्म का हिस्सा है। करीना कपूर ने बताया, सिंघम अगेन पुरुषवादी फिल्म है। उसमें फैंस को कुछ सशक्त महिला भूमिकाएं भी देखने को मिलेंगी। फिल्म में मेरी और दीपिका दोनों की भूमिकाएं बहुत ही सशक्त है, लेकिन यह तो स्वाभाविक है कि यह महिला प्रधान फिल्मों से अलग होगी। सिंघम अगेन इस साल ऑडियंस के लिए बड़ा गिफ्ट है और उन्हें यकीन है कि इस फिल्म को लोग एन्जॉय करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

लेबनान में इस्राइली हमलों में चार की मौत

बेरूत। लेबनान के मेस अल-जबल में इस्राइली हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। लेबनानी सैन्य सूत्रों के मुताबिक रविवार को इस्राइली युद्धक विमानों ने मेस अल-जबल में मिसाइल हमला किया जिससे एक मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हमले में लेबनानी नागरिक सुरक्षा टीम के एक सदस्य सहित तीन अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार हताहतों को बिंट जेबिल शहर के सलाह घंडौर अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने हताहतों की संख्या बताए बिना कहा कि उसके लड़ाकों ने दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हमलों के जवाब में उत्तरी शहर किर्यत शमोना को कई रॉकेट दागे हैं।

फिनलैंड टीएनटी उत्पादन संयंत्र शुरू करेगा

हेलसिंकी। फिनलैंड यूरोप में विस्फोटकों की कमी के कारण तत्काल ट्रिनिट्रोटोलुइन (टीएनटी) उत्पादन संयंत्र शुरू करना चाहता है। फिनिश ब्रॉडकास्टर ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री एंट्टी हक्कानेन ने कहा, हमें विस्फोटकों का उत्पादन उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने की जरूरत है। इसलिए हमें इस मामले में घरेलू उद्योग की भूमिका पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हमने अपने सहयोगियों को देश में संयंत्र के निर्माण पर शीघ निर्णय लेने की आवश्यकता से अवगत कराया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप में विस्फोटकों की गंभीर कमी है और यूरोपीय संघ में एकमात्र टीएनटी उत्पादन संयंत्र पोलैंड में स्थित है, लेकिन उत्पादन का स्तर मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में गोलीबारी, सात लोग घायल

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में दक्षिणी कैलिफोर्निया के बंदरगाह शहर लॉन्ग बीच स्थित एक नाइट क्लब के बाहर हुई गोलीबारी में सात लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना शनिवार देर रात घटित हुई। लॉन्ग बीच पुलिस विभाग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि अधिकारियों ने स्थानीय समय के अनुसार शनिवार रात करीब 11:15 बजे गोलीबारी की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। मौका पर पहुंचने पर अधिकारियों ने कई पीड़ितों को देखा और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान करना शुरू कर दिया। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में पहुंचाया गया। सभी सात पीड़ित वयस्क पुरुष है।

दक्षिणी ब्राजील में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 75 हुई

साओ पाउलो। दक्षिण ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के बड़े हिस्से में आए भयंकर तूफान कारण 19 अप्रैल से अब तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। एजेंसी ने कहा कि 155 अन्य लोग घायल हुए है और 103 अभी भी लापता है, जबकि राज्य के 496 शहरों में से 334 में से 107,600 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगा यह राज्य रिकॉर्ड बारिश से तबाह हो गया है। गुएबा नदी के तट टूट जाने के कारण राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे में अभूतपूर्व बाढ़ आई।

भारत को चुनौती के रूप में देखता है चीन

सांता क्लारा(भाषा)। अमेरिका स्थित भारत क्रेंद्रित शीर्ष व्यवसाय और रणनीतिक समूह के प्रमुख मुकेश अघी ने कहा कि चीन कभी भारत को समान साझेदार नहीं मानेगा और सीमा पर सैनिकों को एकत्रित कर वह नई दिल्ली को पूंजी निवेश की तुलना में रक्षा पर अधिक पैसा खर्च करने के लिए मजबूर कर रहा है। वह भारत को एक चुनौती के रूप में देखता है। भारत और चीन की सेनाओं के बीच मई 2020 से पूर्वी लद्दाख में गतिरोध बना हुआ है और दोनों पक्षों के बीच कई दौर की कूटनीतिक व सैन्य वार्ता के बावजूद सीमा विवाद का कोई पूर्ण समाधान नहीं निकला है।

यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष अघी ने कहा

'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष अघी ने कहा, आज हम जो देख रहे है, वह मानव जाति के इतिहास में पहली बार है जब 1.4 अरब की आबादी वाले एक लोकतांत्रिक देश ने आर्थिक क्षेत्र में तेजी से वृद्धि दिखाई है।

उन्होंने कहा कि सात-आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रही भारत की अर्थव्यवस्था अब चार लाख करोड़ डॉलर को छू रही है। उन्होंने भारतीय-अमेरिकी उद्यमियों से कहा, जब आप करीब 1.50 लाख अरब के वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से तुलना करेंगे तो यह अब भी बहुत कम है। हम वैश्विक जीडीपी के करीब 3 से 3.5 फीसदी के आसपास है।' उन्होंने एक मई से तीन मई तक टीआईई सिलिकॉन वैली द्वारा आयोजित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी पेशवरों की सबसे बड़ी सभा टीआईईकॉन में 'न्यू ग्लोबल इंडिया' चर्चा में भाग लेने के दौरान ये टिप्पणियां की।

अघी ने कहा, चीन एक सैन्य शक्ति, एक आर्थिक और प्रौद्योगिकी शक्ति है। मूल रूप से उसका उद्देश्य एशिया प्रशांत से शुरुआत करते हुए विश्व में वर्चस्व स्थापित करने का है।

सशक्त भारत से एशिया में अमेरिकी हितों की रक्षा : चुग

सांता क्लारा (भाषा)। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रतिष्ठित नेता योगी चुग ने कहा कि सशक्त भारत के साथ एशिया में अमेरिका के हितों की रक्षा और मजबूती हुई है। उन्होंने कहा कि भारत, चीन के बढ़ते प्रभाव की जवाबी कार्रवाई के रूप में इस क्षेत्र में एक जिम्मेदार खिलाड़ी बन गया है। कैलिफोर्निया के व्यवसायी चुग ने कहा कि भारत के उदय को लेकर जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि सशक्त भारत के साथ अमेरिका के हितों की रक्षा और मजबूती हुई है। भारत ने न केवल अपनी अर्थव्यवस्था बल्कि दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने की क्षमता के जरिए विश्व में एक अहम भूमिका निभाईहै। इसके साथ ही भारत इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए एक जिम्मेदार खिलाड़ी बन गया है। एक तरफ आपके पास कर्ज के जाल में फंसने का विकल्प है। दूसरी तरफ, आपके पास भारत को एक सच्चा साझेदार बनाने का विकल्प है। भारत लगातार एक अहम भूमिका निभा रहा है। चुग ने कहा,अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंध होंगे। कई लोगों ने इसे 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी कहा है। उन्होंने कहा कि भारत में जारी लोकसभा चुनाव लोगों को यह दिखाएगा कि देश वृद्धि की ओर अग्रसर है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से कहा, डीएम को परेशान न करें

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कहा कि वह तमिलनाडु के पांच जिलाधिकारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न करे। न्यायालय की यह टिप्पणी राज्य सरकार की इस शिकायत पर आई कि कथित रेत खनन से संबंधित एक धनशोधन जांच के तहत संबंधित अधिकारियों को केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में रात साढे आठ बजे तक बैठाए रखा गया। शीर्ष अदालत ने आदेशों के बावजूद ईडी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होने पर गत दो अप्रैल को पांचों जिलाधिकारियों की खिंचाई की थी और उन्हें 25 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

तमिलनाडु में अवैध रेत खनन मामले में पांच जिलाधिकारियों को आठ घंटे बिठाए रखने का मामला

राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोमवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ को बताया कि जिलाधिकारी ईडी के सामने पेश हुए थे। ईडी के वकील ने कहा कि वे पेश हुए थे लेकिन अभी तक उसे कोई विवरण या दस्तावेज नहीं सौंपा गया है। सिब्बल ने ईडी के दावे का खंडन किया और कहा कि जांच एजेंसी ने समन के माध्यम से जो कुछ भी मांगा था वह सबकुछ दे दिया गया है। ईडी के वकील ने कहा कि उनके पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कोई ब्योरा या दस्तावेज नहीं सौंपा गया है। उन्होंने कहा, हम इस संबंध में हलफनामा दाखिल कर सकते है। पीठ ने ईडी के वकील से उन दस्तावेजों को निर्दिष्ट करने को कहा जो जिलाधिकारियों द्वारा अभी तक उपलब्ध नहीं कराए गए है। सिब्बल ने कहा, 'वे (जिलाधिकारी) दिन में 11 बजे पहुंचे और उन्हें वहां रात साढ़े आठ बजे तक बैठाए रखा गया। पीठ ने ईडी के वकील से कहा, आप ऐसा नहीं कर सकते। वकील के यह कहने पर कि वह इस बारे में पता करेंगे, पीठ ने कहा, उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान न करें। शीर्ष अदालत ने ईडी से रिपोर्ट दाखिल कर यह बताने को कहा कि उसने समन के जरिए कौन से दस्तावेज मांगे थे जो इन अधिकारियों द्वारा नहीं सौंपे गए है। मामले में अगली सुनवाई अब जुलाई में होगी। मद्रास उच्च न्यायालय ने पिछले साल 28 नवंबर को जांच के सिलसिले में वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, करूर, तंजावुर और अरियालुर के जिलाधिकारियों की पेशी के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा जारी समन पर रोक लगा दी थी। ईडी ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था और कहा था कि इससे उसकी जांच प्रभावित होगी। शीर्ष अदालत ने जिलाधिकारियों को राहत देने वाले उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी और कहा था कि तमिलनाडु तथा इसके अधिकारियों की याचिका अजीब एवं असामान्य है और इससे ईडी की जांच बाधित हो सकती है। इसने 27 फरवरी के आदेश में पांचों जिलाधिकारियों को जांच के सिलसिले में ईडी के सामने पेश होने का निर्देश दिया था।

एसआईटी ने बेंगलुरू में रेवन्ना के आवास का निरीक्षण किया

बेंगलुरू (भाषा)। एक महिला के कथित अपहरण और उसे गैरकानूनी तरीके से बंधक बनाने के संबंध में जनता दल (सेक्यूलर) विधायक एच डी रेवन्ना के खिलाफ मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोमवार को बेंगलुरू के बसवनगुडी में उनके आवास पर घटनास्थल का निरीक्षण किया। रेवन्ना के परिवार की अनुपस्थिति में एसआईटी दल ने मौके का मुआयना करने के लिए उनके वकील गोपाल को तलब किया। एसआईटी ने दो दिन पहले हासन जिले के होलेनारासिपुरा में विधायक के आवास का निरीक्षण किया था।

कर्नाटक यौन शोषण निरीक्षण अपहरण मामला

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पुत्र रेवन्ना दो मामलों में जांच का सामना कर रहे है। एक मामला घरेलू सहायिका के यौन उत्पीड़न से जुड़ा है जिसमें रेवन्ना का बेटा प्रज्वल भी आरोपी है। दूसरा मामला दो मई को दर्ज अपहरण के मामले से जुड़ा है। प्रज्वल द्वारा कथित तौर पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने वाले वीडियो बड़ी संख्या में वायरल होने के बाद पीड़िता के बेटे ने आरोप लगाया कि रेवन्ना का सहायक सतीश बबन्ना उसकी मां को 29 अप्रैल को एक मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले गया और उसे अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा। इस बीच, रेवन्ना के वकील गोपाल ने आरोप लगाया कि एसआईटी दल ने उन्हें जद (एस) नेता के बासवनगुडी स्थित आवास के भीतर जाने नही दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें मौके के मुआयने का नोटिस दिया गया था लेकिन एसआईटी दल ने उन्हें अंदर नही जाने दिया।

गोपाल ने पूछा, 'मुझे अंदर जाने नहीं दिया गया जबकि मुझे वहां मौजूद होना चाहिए था। अवैध चीजें चल रही है। मै मौके के मुआयने के खिलाफ नहीं हूं। जब एसआईटी ने मुझे यहां मौजूद रहने का नोटिस दिया तो मुझे बाहर क्यों रखा गया? क्या मैने कहा कि मै सहयोग नहीं करूंगा?' उन्होंने कहा कि जब्त सामान की एक सूची सौंपी जानी होती है। उन्होंने पूछा कि एसआईटी यह सूची किसे सौंपेगी? वही, केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रज्वल के विदेश से लौटने की संभावना के मद्देनजर सुरक्षाकर्मी सतर्क है। उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है।

फिलिस्तीनियों को पूर्वी राफा खाली करने का आदेश

यरूशलम (एपी)। इस्राइली सेना ने हजारों फिलिस्तीनियों से दक्षिणी गाजा के राफा शहर को खाली करने को कहा है। इस आदेश से संकेत मिलते है कि वहां जल्द ही जमीनी हमला हो सकता है। इस्राइली सेना की इस घोषणा ने सीआईए के निदेशक सहित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के संघर्ष विराम के अंतिम प्रयासों को और जटिल बना दिया है। हमास और प्रमुख मध्यस्थ कतर ने चेतावनी दी है कि राफा पर आक्रमण वार्ता को पटरी से उतार सकता है।

इस्राइल सेना की घोषणा से अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के संघर्ष विराम के प्रयासों को धक्का

इस्राइल के हमास के खिलाफ सात महीने से जारी युद्ध में राफा हमास का अंतिम महत्वपूर्ण गढ़ है। इस्राइली नेताओं ने बार-बार कहा है कि उन्हें इस्लामी आतंकवादी समूह को हराने के लिए जमीनी आक्रमण करने की आवश्यकता है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशानी ने कहा कि लगभग 1 लाख लोगों को इस्राइल द्वारा मानवीय क्षेत्र घोषित मुवासी में जाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस्राइल सीमित दायरे वाले अभियान की तैयारी कर रहा था और वह यह नहीं कहेगा कि यह शहर पर व्यापक आक्रमण की शुरुआत है। पिछले अक्टूबर में इस्राइल ने औपचारिक रूप से जमीनी आक्रमण शुरू करने की घोषणा नहीं की। हालांकि हमास के हमले के जवाब में शुरू हुई उसकी कार्रवाई आज भी जारी है। शोशानी ने कहा कि इस्राइल ने निकासी क्षेत्र का एक नक्शा प्रकाशित किया है। इसके बारे में आकाश से गिराए गए पर्चों, टेक्स्ट मैसेज और रेडियो प्रसारण के माध्यम से जानकारी दी जा रही है। इस्राइली सेना ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि वह आतंकवादियों के खिलाफ बहुत ताकत के साथ कार्रवाई करेगी। राफापर आक्रमण की योजना से दुनिया की चिंता बढ़ गई है। राफा शरण लिए हुए दस लाख से अधिक फिलिस्तीनी नागरिकों को नुकसान हो सकता है। यह घोषणा नाजुक दौर से गुजर रही संघर्ष विराम वार्ता के बीच की गई है। रविवार को इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने दावा किया कि हमास किसी समझौते को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने निकट भविष्य में राफा शक्तिशाली अभियान चलाए जाने की चेतावनी दी। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब हमास ने रविवार को इजराइल के मुख्य क्रॉसिग पॉइंट पर हमला किया था, जिसमें तीन सैनिक मारे गए थे। यह कदम हमास आतंकवादियों द्वारा क्षेत्र से घातक रॉकेट हमले को अंजाम देने के एक दिन बाद उठाया गया है। राफा में लोगों को सोमवार की सुबह अरबी में लिखे कुछ पर्चे प्राप्त हुए जिसमें बताया गया कि पड़ोस के कौन से ब्लॉक को छोड़ने की जरूरत है और मानवीय क्षेत्रों का विस्तार कहां तक हुआ है। पर्चों में कहा गया है कि सहायता सेवाओं का दायरा उत्तर में दीर अल बलाह से गाजा पट्टी के मध्य में खान यूनिस शहर के केंद्र तक फैला रहेगा। राफा में फिलिस्तीनियों ने कहा कि लोग पर्चे प्राप्त करने के बाद अपने विकल्पों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए। अधिकतर लोगों ने कहा कि वे अकेले नहीं जाना चाहते और समूहों में यात्रा करना पसंद करते है।

राफा पर जल्द ही शुरू होगा जमीनी हमला : गैलेंट

यरूशलम(वार्ता)। इस्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा है कि गाजा के दक्षिण में राफा शहर पर हमले शुरू करने का आदेश बहुत जल्द दिया जाएगा । गैलेंट ने अपने आधिकारिक अकाउंट एक्स पर एक फोटो पोस्ट साझा की है जिसमें वह गाजा के मध्य क्षेत्र में एक दौरे के दौरान कमांडरों के साथ हेलमेट पहने चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइल के अनुसार हमास के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की संभावना कम है। इसका सीधा अर्थ है राफा और गाजा पट्टी के अन्य इलाकों में बहुत जल्द बड़े पैमाने पर ऑपरेशन होगा। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, लगभग 10.2 लाख लोग अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ अकालग्रस्त उत्तरी गाजा में इस्राइली बमबारी से बचकर राफा में शरण लिए हुए हैं। इस्राइल और हमास गाजा में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से युद्धविराम समझौते पर अप्रत्यक्ष बातचीत में लगे हुए है। दोनों पक्षों के बीच विवाद का मुख्य मुद्दा संघर्ष विराम की अवधि को लेकर है। हमास की मांग है कि इस्राइल संघर्ष रोक दे, जबकि इस्राइल तब तक संघर्ष जारी रखने पर जोर दे रहा है जब तक हमास हार नहीं मान लेता है।

इस्राइल ने राफा पर किए हवाई हमले,16 की मौत

तेल अवीव (आईएएनएस)। हमास के रॉकेट हमले के बाद इस्राइल की सेना ने सोमवार को राफा में हवाई हमले किए, जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हवाई हमले में एक परिवार के नौ लोग और दूसरे परिवार के सात सदस्य मारे गए। हमास ने दक्षिणी इस्राइल में केरेम शालोम के पास हमला किया था। इसके जवाब में इस्राइल ने ये कार्रवाई की है। हमास के हमले में आईडीएफ के तीन सैनिक मारे गए और 11 सैनिक घायल हो गए। जबकि घायलों में 931 बटालियन के जवान और शेक्ड बटालियन का एक जवान शामिल है। आईडीएफ के अनुसार, हमला राफा क्षेत्र से सुबह-सुबह किया गया।

इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि युद्ध कैबिनेट सोमवार को बैठक करेगी और राफा पर जमीनी हमले पर फैसला करेगी। रक्षा मंत्री योव गैलेंट और बिना पोर्टफोलियो वाले मंत्री बेनी गैंट्ज़ दिन में बाद में होने वाली युद्ध कैबिनेट में हिस्सा लेंगे। गौरतलब है कि हाल ही में काहिरा में हुई अप्रत्यक्ष मध्यस्थता वार्ता में इजरायल ने अपनी जेलों में बंद 600 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास की हिरासत में मौजूद अपने कम से कम 33 बंधकों को रिहा करने पर जोर दिया था। केरेम शालोम क्रॉसिंग पर हमास के हमले में तीन आईडीएफ सैनिकों की मौत और इस्राइली जवाबी कार्रवाई से काहिरा में शांति वार्ता की प्रगति प्रभावित होने की संभावना है।

सुशील शुक्ला ने चुप्पी तोड़ी

रायपुर। कई गंभीर आरोप लगा कर कांग्रेस से इस्तीफा दे चुकी कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के आरोपों पर छत्तीसगढ़ संचार विभाग के प्रमुख सुशील शुक्ला ने चुप्पी तोड़ दी है और राधिका को चुनौती दी है कि पूरे विवाद का वीडियो जो उन्होंने बनाया था सार्वजनिक करें। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

राजीव भवन में देर सांय बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुक्ला ने आरोप पर सफाई देते हुए कहा कि पार्टी इस पूरे मामले की जांच कर रही थी। उनको (राधिका) पता था वे दोषी है, झूठ बोल रही है, जांच से सच्चाई सामने आयेगी इसलिये इस्तीफ़ा दे कर देकर भाग गयी। उन्होंने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश की है। यह भी शोध का विषय है कि वे लंबे समय चार सालों से मेरियट जैसे महंगे होटल में ठहरी है, इसका पूरा खर्चा भी भाजपा के द्वारा वहन किया जाता है। शुक्ला ने कहा कि खेड़ा को मै मानहानि का नोटिस दूंगा। उन्होंने मेरी चरित्र की हत्या करने की कोशिश की है।

कहा, राधिका खेल रही हैं विक्टिम कार्ड

शुक्ल की प्रेसवार्ता में मौजूद पार्टी की नेत्रियों ने भी शुक्ल का समर्थन किया। प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील शुक्लाजी के साथ पिछले 7-8 साल से मै काम कर रही हूं। मैने देखा है कि सुशील शुक्लाजी हम महिलाओं का अपनी छोटी बहन जैसे मान और सम्मान देते आए है। शुक्ल ने दावा किया कि यह बात कोई नहीं मान सकता कि मै शराब पीता हूं। मेरे खानदान में कोई शराब नहीं पीता है। उन्होंने कहा कि खेड़ा ने बेबुनियाद आरोप लगाकर उन्होंने सारी सीमाएं लांघ दी है। शुक्ला ने खेड़ा के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि गाली-गलौज या दुर्व्यवहार के आरोप सरासर गलत है। मै चुनौती देता हूं, उस वीडियो को सार्वजनिक करें। इस तरह से चरित्र की हत्या बर्दाश्त नही की जा सकती। मै जल्द एक्शन लेने वाला हूं। जहां तक शराब ऑफर का सवाल है, मै तो क्या मेरे पूरे खानदान में किसी ने आज तक शराब नहीं पी है। हमारे द्वारा हमारे किसी साथी के द्वारा उनके साथ कोई गाली-गलौच नही किया। उनका यह कहना है कि मैने और मेरे साथियों ने उनको कमरे में बंद किया, सरासर झूठ है।

गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका के खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सोरेन

नई दिल्ली (भाषा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका राज्य हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के बाद सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया और उसे तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सिब्बल ने कहा, झारखंड में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 13 मई को शुरू होगा और सोरेन को उनकी पार्टी झामुमो के लिए प्रचार की अनुमति दी जानी चाहिए। सिब्बल ने कहा, हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। हम चार फरवरी को हाईकोर्ट गए। हाईकोर्ट ने 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखा लेकिन फैसला नहीं सुनाया। हाईकोर्ट ने लंबे समय तक फैसला लंबित रखा। उन्होंने कहा, राज्य में चुनाव का पहला चरण 13 मई को शुरू होगा और इसलिए हमने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस अदालत का रुख किया और पिछले सप्ताह नोटिस जारी किया गया। नोटिस जारी किए जाने के बाद हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज किए जाने का फैसला सुनाया। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरीके से अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

पीठ ने कहा, वह इस अनुरोध पर विचार करेगी और यह भी कहा कि सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका सात मई को सुनवाई के लिए आनी है। सिब्बल ने कहा, हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ उनकी अपील को भी जमानत याचिका के साथ सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। झारखंड हाईकोर्ट ने ईडी द्वारा सोरेन को गिरफ्तार किए जाने को चुनौती देने वाली उनकी रिट याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी थी और उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया।

राजनीतिक दल हटाएं सोशल मीडिया से फर्जी सामग्री : आयोग

नई दिल्ली । निर्वाचन आयोग ने सोमवार को सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया है कि वे अपने सोशल मीडिया खातों से फर्जी सामग्री को संज्ञान में आने के तीन घंटे के अंदर हटा दें। निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार में सोशल मीडिया के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए जारी किए गए निर्देशों का हिस्सा है।

हाल ही में कुछ सोशल मीडिया हैंडल पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अभिनेता आमिर खान तथा रणवीर सिंह के डीपफेक वीडियो पोस्ट किए गए थे। इस बाबत आपराधिक शिकायतें दर्ज की गई थीं। निर्वाचन आयोग ने सूचनाओं को विकृत करने या गलत सूचना का प्रचार करने वाले डीपफेक बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों के दुरुपयोग को लेकर राजनीतिक दलों को चेतावनी दी । निर्वाचन आयोग ने जारी बयान में कहा है कि चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते वक्त राजनीतिक दलों और उनके प्रतिनिधियों द्वारा आचार संहिता के कुछ उल्लंघन और मौजूदा कानूनी प्रावधानों का संज्ञान लेते हुए आयोग ने आज सोशल मीडिया के जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग के लिए राजनीतिक दलों को निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया कि राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया है कि वे इस तरह की किसी भी सामग्री को अपने संज्ञान में लाए जाने के तीन घंटे के अंदर तुरंत हटा दें और अपनी पार्टी के जिम्मेदार व्यक्ति को इस संबंध में चेतावनी दें।

सुनीता विलियम्स तीसरी बार अंतरिक्ष की यात्रा करेंगी

वॉशिंगटन (भाषा)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 58 साल की उम्र में मंगलवार को बतौर पायलट तीसरी बार अंतरिक्ष की उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। वह बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से उड़ान भरेंगी जिसे फ्लोरिडा में केप केनवेरल के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से छोड़ा जाएगा। स्टारलाइनर विलियम्स और बुच विलमोर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र लेकर जाएगा जो संकटग्रस्त बोइंग कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण और बहु-प्रतीक्षित सफलता हो सकती है।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से आज उड़ान भरेंगी

अंतरिक्ष यान सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात 10:34 बजे रवाना होगा। 'ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' (बीबीसी) ने विलियम्स के हवाले से कहा, हम सभी यहां हैं क्योंकि हम सभी तैयार हैं। हमारे दोस्तों और मित्रों ने इसके बारे में सुना है और हमने इसके बारे में बात की है और वे खुश तथा गौरवान्वित है कि हम इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं। अंतरिक्ष यान के विकास में कई झटकों के कारण इस अभियान में कई वर्षो की देरी हुई है। अगर यह कामयाब हो जाता है तो एलन मस्क की 'स्पेसएक्स' के साथ यह दूसरी निजी कंपनी बन जाएगी जो चालक दल को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र तक ले जाने और वापस लाने में सक्षम होगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने 22 मार्च को स्टारलाइनर के आगामी अभियान के बारे में कहा था, इतिहास बनने जा रहा है। हम अंतरिक्ष अन्वेषण के स्वर्ण युग में है। नासा ने 1988 में सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुना था और उनके पास दो अंतरिक्ष अभियानों का अनुभव है। उन्होंने एक्स्पीडिशन 32 की फ्लाइट इंजीनियर और एक्स्पीडिशन 33 की कमांडर के तौर पर सेवा दी थी। पहली अंतरिक्ष यात्रा एक्स्पीडिशन 14/15 के दौरान विलियम्स ने नौ दिसंबर 2006 को एसटीएस-116 के चालक दल के साथ उड़ान भरी थी और 11 दिसंबर 2006 को वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पहुंचीं। पहली अंतरिक्ष यात्रा में उन्होंने अंतरिक्ष में कुल 29 घंटे और 17 मिनट की चार बार चहलकदमी करने के साथ महिलाओं के लिए विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद अंतरिक्ष यात्री पेग्गी व्हिटसन ने अंतरिक्ष में कुल पांच बार चहलकदमी कर 2008 में यह रिकॉर्ड तोड़ दिया था। एक्स्पीडिशन 32/33 में विलियम्स ने रूसी सोयुज कमांडर युरी मालेनचेंको और जापान एयरोस्पेस एक्स्प्लोरेशन एजेंसी की फ्लाइट इंजीनियर अकीहिको होशिदे के साथ कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोन से 14 जुलाई 2012 को अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी। उस वक्त विलियम्स ने प्रयोगशाला की परिक्रमा करते हुए अनुसंधान और अन्वेषण में चार महीने का वक्त बिताया था। वह अंतरिक्ष में 127 दिन का वक्त बिताने के बाद 18 नवंबर 2012 को कजाखस्तान पहुंची थीं। अपने अभियान के दौरान विलियम्स और होशिदे ने तीन बार अंतरिक्ष की चहलकदमी की और स्टेशन के रेडिएटर से अमोनिया के रिसाव को ठीक किया। अंतरिक्ष में 50 घंटे और 40 मिनट की चहलकदमी के साथ विलियम्स ने एक बार फिर किसी महिला अंतिरक्ष यात्री का अंतरिक्ष में सबसे लंबे समय तक चहलकदमी करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।

विलियम्स ने अंतरिक्ष में कुल 322 दिन बिताए है। विलियम्स का जन्म ओहायो के यूक्लिड में भारतीय-अमेरिकी न्यूरोएनाटॉमिस्ट दीपक पांड्या और स्लोवेनियाई-अमेरिकी उर्सुलिन बोनी पांड्या के घर हुआ था। उन्होंने यूएस नेवल एकेडमी से भौतिक विज्ञान की डिग्री ली और फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिग प्रबंधन में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की।

सोशल मीडिया प्रोफेशनल्स की गिरफ्तारी से भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा के दो चरणों के चुनाव में निश्चित हार देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी बौखला गई है और इस निश्चित हार से घबराकर कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रोफेशनल्स को गिरफ्तार किया जा रहा है।

कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में कहा, देश में दो चरणों के चुनाव खत्म हो चुके है और कल तीसरे चरण का मतदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा बुरी तरह से चुनाव हारने जा रहे हैं। जनता उन्हें जितने नहीं दे रही है क्योंकि लोग उनकी साजिश को समझ चुके हैं। प्रवक्ता ने कहा, हम आपके हर झूठ को हराएंगे, संविधान और आरक्षण को खत्म करने की साजिश को परास्त करेंगे लेकिन आरक्षण को खत्म नहीं होने देंगे, क्योंकि इसी आरक्षण ने गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को उनका हक दिया है।

संक्षिप्त खबरें

जियो की नई उपलब्धि

लखनऊ (वि.)। ट्राई की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी यूपी में जियो एकमात्र और पहली कंपनी है, जिसने 4 करोड़ उपभोक्ताओं का आकड़ा पार किया है जियो पिछले कई महीनों से अपने तेज़ स्पीड नेटवर्क और किफायती प्लान्स के कारण लगातार क्षेत्र में नंबर एक आपरेटर बना हुआ है। ट्राई की मार्च 2024 की रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी यूपी में जियो ने सबसे अधिक उपभोक्ता जोड़े हैं जो लगभग 2.67 लाख हैं और अब कंपनी के पास 4 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। एयरटेल ने पूर्वी यूपी में मार्च में लगभग 2.09 लाख उपभोक्ता जोड़े हैं।

अक्षय तृतीया पर कैशबैक

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे ने इस वर्ष अक्षय तृतीया के शुभ और पावन अवसर के लिए एक लाजवाब आफ़र की घोषणा की है। 10 मई 2024 को, यूज़र फोनपे ऐप पर न्यूनतम 1000 रुपए के आर्डर मूल्य पर 2000 रुपए तक का निश्चित कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। यह .खास ऑफ़र, जो विशेष रूप से फोनपे पर उपलब्ध होगा, केवल 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड की एक बार की खरीद पर ही लागू है। इसके लिए यूज़र कई पेमेंट माध्यम जैसे यूपीआई, यूपीआई लाइट, क्रेडिट और डेबिट कार्ड, वॉलेट और गिफ्ट कार्ड के जरिए पेमेंट कर सकते हैं। इस त्योहार की खुशियों को बढ़ाने के लिए, फोनपे ने 12 मई तक कैरेटलेन स्टोर्स पर डिजिटल गोल्ड रिडीम करने को खास ऑफ़र दिया है।

BASF का नया कीटनाशक

नई दिल्ली। फसलों को छेदकर रस चूसने वाले कीट भारत में कृषि फसलों के लिए बड़ा संकट पैदा करते हैं, जिससे उत्पादकता और फसलोपज में 35 से 40% तक भारी नुकसान पहुंचता है। अब भारतीय किसान सोमवार को लांच किए गए बीएएसएफ के नए कीटनाशक एफिकान, की सहायता से इस मुश्किल भरी चुनौती पर काबू पा सकते हैं। एफिकॉन एक विशेष फॉर्मूलेशन में बीएएसएफ के नए एक्टिव इंग्रीडिएंट एक्सालियॉन की शक्ति से लैस है। कंपनी के एग्रीकल्चरल सोल्यूशंस के बिजनेस डायरेक्टर गिरिधर रानुवा ने कहा 'यह नवाचार दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के रस चूसने वाले कीटों को काबू में लाने में किसानों की मदद करने की बीएएसएफ की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

डंपिंग-रोधी शुल्क लगा

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई डीजीटीआर ने जलशोधन में इस्तेमाल होने वाले रसायन के चीन और जापान से आयात पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने इन दोनों देशों से 'ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड' के सस्ते दाम पर किए गए आयात की जांच करने के बाद इस रसायन पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।(एजेंसियां)

पहले से ज्यादा परिपक्व और बेबाक हो गया है 'ब्रांड इंडिया'

■ टीआईआई सिलिकान वैली के मुख्य विपणन अधिकारी की राय ■ विश्व में भारत की पहचान स्टार्टअप की राजधानी के रूप में बनी

सांता क्लारा (भाषा)।

शीर्ष विपणन अधिकारी ने कहा कि भारत ने दुनिया की स्टार्टअप राजधानी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। साथ ही 'ब्रांड इंडिया' दो दशक पहले की तुलना में अधिक परिपक्व और बेबाक ब्रांड के रूप में उभरा है।

टीआईई सिलिकान वैली के मुख्य विपणन अधिकारी अजय मंगलानी ने कहा कि भारत ने स्टार्टअप राष्ट्र श्रेणी में अपनी पहचान बनाई है। यहां से कई बेहतरीन स्टार्टअप कंपनियां निकली जो अब परिपक्व व्यवसाय बन गई हैं।

मंगलानी ने कहा, 'ब्रांड इंडिया अब भी चीजें बनाने, निर्माण करने और सृजन करने को उत्सुक है। ब्रांड इंडिया अब और अधिक परिपक्व भी हो गया है।' टीआईई सिलिकान वैली द्वारा हाल ही में आयोजित टीआईईसीओएन में 30 से अधिक भारतीय स्टार्टअप ने हिस्सा लिया।

मंगलानी ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारतीय उद्यमिता की अगली पीढी अनुसंधान पर अधिक केंद्रित होगी और जोखिम उठाने से परहेज नहीं करेगी।

भारतीय समुदाय में जिस स्तर का धैर्य तथा जुनून है, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक स्टार्टअप राष्ट्र के रूप में मजबूत नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ेगा।' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विश्व भारत की ओर देख रहा है।

मंगलानी ने कहा, '' दुनिया इस पर ध्यान दे रही है। भारत एक मूल्य संचालित देश बन गया है, जैसा कि हम हमेशा से अपने मूल मूल्यों जैसे विश्वास, समर्थन, ईमानदारी, अंतर्दृष्टि और इन सभी के साथ खड़े रहे हैं।

सुपरप्लम ने निवेशकों से जुटाए 1.5 करोड़ डालर

नई दिल्ली (भाषा)।

प्रीमियम ताजे फल बेचने वाले कृषि प्रौद्योगिकी स्टार्टअप सुपरप्लम ने अपने कारोबार के विस्तार के लिए निवेशकों से 1.5 करोड़ डालर जुटाए हैं। कंपनी ने सोमवार को जानकारी दी कि उसने 1.5 करोड़ अमेरिकी डालर जुटाने के लिए 'सीरीज ए फंडिंग राउंड' पूरा कर लिया है।

'सीरीज ए फंडिंग' एक स्टार्टअप द्वारा पूंजी जुटाने की प्रक्रिया के चरणों में से एक है। इस वित्त पोषण दौर का नेतृत्व कंपनी के नवनिर्वाचित चेयरमैन एरिक रैगेट्ज़ ने किया। रैगेट्ज़ वैश्विक निजी इक्विटी कंपनी हेलमैन एंड फ्रीडमैन के पूर्व साझेदार एवं वर्तमान वरिष्ठ सलाहकार हैं।

पी-नोट्स निवेश छह साल के उच्चस्तर पर

■ फरवरी के अंत में डेढ़ लाख करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय पूंजी बाजार में पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के जरिए निवेश फरवरी के अंत में 1.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जो पिछले छह साल का उच्चतम स्तर है। इस आंकड़े में शेयर, ऋण और हाइब्रिड प्रतिभूतियों में पी-नोट्स के जरिए किया गया निवेश शामिल है।

सेबी के साथ पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) उन विदेशी निवेशकों को पी-नोट्स जारी करते हैं जो अपना पंजीकरण कराए बगैर भारतीय शेयर बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं।

हालांकि, इसके लिए उन्हें समुचित जांच-पड़ताल से गुजरना पड़ता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारतीय बाजारों- इक्विटी, ऋण और हाइब्रिड प्रतिभूतियों में पी-नोट्स से निवेश का मूल्य फरवरी के अंत में 1,49,517 करोड़ रुपये था, जबकि जनवरी अंत में यह 1,43,011 करोड़ था। सेबी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह राशि जून, 2017 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है, जब पी-नोट्स से निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये था। पी-नोट्स में वृद्धि आमतौर पर एफपीआई प्रवाह के रुझान के अनुरूप होती है।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फरवरी में निवेश बढ़ने का श्रेय मजबूत कारपोरेट आय और दिसंबर तिमाही के दौरान दर्ज सकारात्मक आर्थिक वृद्धि के रुझान को दिया जा सकता है। फरवरी तक इस मार्ग से डाले गए कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये में से 1.27 लाख करोड़ रुपये शेयरों में, 21,303 करोड़ रुपये ऋण प्रतिभूतियों में और 541 करोड़ रुपये हाइब्रिड प्रतिभूतियों में निवेश किए गए। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास मौजूद परिसंपत्तियां फरवरी के अंत में बढ़कर 68.55 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो जनवरी अंत में 66.96 लाख करोड़ रुपये थी। एफपीआई ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजार में 1,539 करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार में 22,419 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

कोल इंडिया ने सरकारी कोष में 60,140 करोड़ रुपये का योगदान दिया

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) का सरकारी खजाने को योगदान वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत बढकर 60,140.31 करोड़ रुपये रहा है। यह योगदान रॉयल्टी समेत अन्य शुल्क के रूप में दिया गया।

घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में सरकारी खजाने में 56,524.11 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। सरकार को इस साल मार्च में दिया गया कुल शुल्क भी 14.8 प्रतिशत बढ़कर 6,069.18 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 2022-23 के इसी महीने में 5,282.59 करोड़ रुपये था।

सरकारी खजाने को प्राप्त कुल 60,140.42 करोड़ रुपये में से सबसे ज्यादा राशि 13,268.55 करोड़ रुपये झारखंड सरकार को मिली। वहीं ओडिशा सरकार को 12,836.20 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ को 11,890.79 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 10,865.96 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र एवं अन्य को 6,188.89 करोड़ रुपये मिले। कोयला उत्पादक राज्यों ने रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) सहित अन्य मदों से राजस्व प्राप्त किया।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 14 वर्ष के शिखर पर

■ अप्रैल में सेवा क्षेत्र का पीएमआई 60.8 अंक दर्ज किया गया

■ आलोच्य माह में इस सेक्टर में वृद्धि की शुरुआत धीमी गति से हुई, बाद में इसमें आई तेजी

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के दम पर अप्रैल में 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक 60.8 हो गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है।

एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों में थोड़ी धीमी गति से वृद्धि हुई, जिसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ठेकों और वृद्धि का समर्थन मिला।'

घरेलू मांग में तेजी के अलावा, कंपनियों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए कारोबारी लाभ का भी उल्लेख किया जिसने सामूहिक रूप से सितंबर 2014 में श्रृंखला शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि को बल दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अप्रैल में 61.5 रहा जो मार्च में 61.8 था। यह 14 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दर्शाता है।

भंडारी ने कहा, 'समग्र गतिविधि के संदर्भ में, विनिर्माण व सेवा दोनों क्षेत्रों में कुल उत्पादन अप्रैल में उल्लेखनीय रूप से बढा यद्यपि थोड़ी धीमी गति से जो इन क्षेत्रों में निरंतर बेहतरी का संकेत देता है।'

वर्ष 2027-28 तक अंतरराष्ट्रीय यातायात में भारतीय एयरलाइंस की होगी आधी हिस्सेदारी

मुंबई (भाषा)।

भारतीय एयरलाइन कंपनियां वित्त वर्ष 2027-28 तक देश के अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात की 50 प्रतिशत जरूरत को पूरा करने में सक्षम होंगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को यह अनुमान लगाया है। एजेंसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में भारतीय एयरलाइन कंपनियों की हिस्सेदारी (जिसमें देश से होकर गुजरने वाला यातायात भी शामिल है) 2027-28 तक 50 प्रतिशत हो जाएगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 43 प्रतिशत थी।

क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह सुधार भारतीय एयरलाइन द्वारा अतिरिक्त विमानों की तैनाती और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में नए मार्ग जोड़ने के साथ-साथ विदेशी एयरलाइन की तुलना में बेहतर घरेलू संपर्क के बल पर होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय यातायात में उनकी बढ़ती हिस्सेदारी के चलते भारतीय एयरलाइन कंपनियों की व्यावसायिक स्थिति मजबूत होगी, जो घरेलू क्षेत्र की तुलना में अधिक लाभदायक है। क्रिसिल के अनुसार, भारत का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात वित्त वर्ष 2023-24 में करीब सात करोड़ तक बढ़ गया। यह वैश्विक महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है। वैश्विक महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में यह एक करोड़ के निचले स्तर पर आ गया था। इसमें कहा गया, भारतीय एयरलाइन की हिस्सेदारी वैश्विक महामारी के बाद से तेजी से बढ़ी है।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक मनीष गुप्ता ने कहा, 'वैश्विक महामारी के बाद खर्च करने के तरीकों में काफी बदलाव आया है, जो कि भारतीयों के अवकाश के लिए विदेश जाने की इच्छाओं से स्पष्ट है।' उन्होंने कहा, 'बढ़ती खर्च योग्य आय, आसान वीजा पहुंच, हवाई अड्डों की बढ़ती संख्या और बेहतर हवाई यात्रा संपर्क से अंतरराष्ट्रीय यात्रा को बढ़ावा मिल रहा है।' भारत को पर्यटन का केंद्र बनाने पर सरकार के ध्यान देने से भी हवाई यातायात को बढावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय एयरलाइन ने पिछले 15 महीनों में 55 नए अंतरराष्ट्रीय मार्ग जोड़े हैं, जिससे उनकी संख्या 300 से अधिक हो गई है।

अक्षय तृतीया पर पीजीआई इंडिया ने पेश की प्लेटिनम ज्वेलरी की नई रेंज

मुंबई (एजेंसी)। अक्षय तृतीया के मौके पर पीजीआई इंडिया इंडिया ने व्हाइट प्लेटिनम ज्वेलरी की बेहतरीन रेंज पेश की है। यह जानकारी देते हुए पीजीआई इंडिया की प्रबंध निदेशक वैशाली बनर्जी ने कहा कि इस साल अक्षय तृतीया का त्योहार 10 मई, 2024 को मनाया जा रहा है।

अक्षय तृतीया के बढ़ते उत्साह के बीच, 'असली सफेद', यानि प्लेटिनम खरीदने का एक विशेष महत्व है क्योंकि यह शुभता और शुद्धता का प्रतीक है। अंदर तक सफेद प्लेटिनम ज्वेलरी अपनी 95 प्रतिशत शुद्धता और कालातीत आकर्षण के साथ इस अवसर की भावना को प्रतिबिंबित करती है। पृथ्वी के सबसे दुर्लभ और सबसे शुद्ध मैटल्स में से एक, प्लेटिनम अपनी प्राकृतिक सफेदी के लिए मशहूर है, जिसकी चमक सदैव बेदाग बनी रहती है।

बीएसएनएल की देशभर में 4जी सेवाएं अगस्त से

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल इस साल अगस्त से पूरी तरह से स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित 4जी सेवाएं देशभर में शुरू कर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के अधिकारियों ने 4जी नेटवर्क पर 40-45 मेगाबिट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) की अधिकतम गति दर्ज करने का दावा किया है। इसे पायलट या प्रायोगिक चरण के दौरान 700 मेगाहर्ट्ज के प्रीमियम स्पेक्ट्रम बैंड के साथ 2,100 मेगाहर्ट्ज बैंड में भी पेश किया गया है। कंपनी ने सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और दूरसंचार अनुसंधान संगठन सी-डाट के नेतृत्व वाले गठजोड़ द्वारा स्वदेशी स्तर पर विकसित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए पंजाब में 4जी सेवाएं शुरू की हैं और वह लगभग आठ लाख ग्राहकों को अपने साथ जोड़ चुकी है।

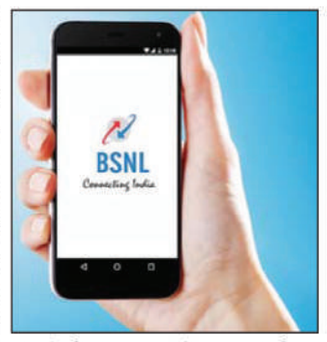

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'सी-डॉट का बनाया हुआ 4जी कोर पंजाब में बीएसएनएल नेटवर्क में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसे पिछले साल जुलाई में स्थापित किया गया था। ऐसी जटिल प्रौद्योगिकी की सफलता साबित करने में 12 महीने लग जाते हैं लेकिन सी-डॉट कोर 10 महीने के भीतर ही स्थिर हो गया है।' इस अधिकारी ने कहा कि बीएसएनएल अगस्त में पूरे देश में आत्मनिर्भर 4जी प्रौद्योगिकी की पेशकश करेगा। कोर नेटवर्क एक ऐसा समूह है जिसमें दूरसंचार सेवा से जुड़े नेटवर्क हार्डवेयर, उपकरण और सॉफ्टवेयर शामिल होते हैं। टीसीएस, तेजस नेटवर्क और सरकारी स्वामित्व वाली आईटीआई को 4जी नेटवर्क तैनात करने के लिए बीएसएनएल से लगभग 19,000 करोड़ रुपये का आर्डर मिला है। इस नेटवर्क को आगे चलकर 5जी में अद्यतन किया जा सकता है।

तेजस नेटवर्क के कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी अर्नब रॉय ने हाल ही में कहा था कि बीएसएनएल का मोबाइल नेटवर्क विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जा रहा है।

बायो वेस्ट से बनाया फ्लोर क्लीनर

नई दिल्ली (वि)। एच एंड एम एनजीओ बाल रक्षा भारत गोकुलपुरी वर्क एरिया के यूथ ग्रुप के प्रस्तावित सोशल इंटरप्राइज़ के सपोर्ट के लिए आगे आया है। यह इंटरप्राइज़ गोकुलपुरी में पूरी तरह से नई बायो-एंजाइम-आधारित फ्लोर क्लीनर प्रोडक्शन यूनिट है। इसका टारगेट इस क्षेत्र में परमानेंट इनकम सोर्स बनाने के लिए वेस्ट मैनेजमेंट में क्रांति लाना है। प्रोडक्शन यूनिट कच्चे माल के रूप में साइट्रिक फलों के छिलके का इस्तेमाल करके बायो फ्लोर क्लीनर और फर्टिलाइज़र बनाने पर फ़ोकस करेगी।

नेचुरल इनग्रेडिएंट की शक्ति का इस्तेमाल करके, प्रोजेक्ट न केवल फ्रूट वेस्ट डिस्पोज़ल की चुनौती का सॉल्व करेगी बल्कि लोकल कम्यूनिटी में रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी। यूनिट बायो प्रोडक्शन प्रोसेस का इस्तेमाल करती है। इसलिए इसमें किसी खास मशीनरी की जरूरत नहीं है। इस इंटरप्राइज़ को बाल रक्षा भारत के इनक्यूबेशन कार्यक्रम की यूथ इनोवेशन एक्शन लैब से चुना गया है। यह प्रोग्राम आम बैकग्राउंड के युवाओं और किशोरों के एक ग्रुप को उनके और उनकी कम्यूनिटी के सामने आने वाली समस्याओं की पहचान करने और उन चुनौतियों के सॉल्यूशन के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशन डेवलप करने के लिए एक साथ लाता है। 9 स्थानीय युवाओं की एक डाइनेमिक टीम द्वारा ऑपरेटेडप्रोडक्शन यूनिट, एक सक्सेसफुल वेंचर के लिए तैयार है।

प्रयोगशाला में विनिर्मित हीरों के निर्यात में तेजी लौटने की आस

मुंबई (वार्ता)।

लैब ग्रोन डायमंड (प्रयोगशाला में विकसित हीरा-एलजीडी) का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सात से नौ प्रतिशत बढ़कर लगभग 150-153 करोड़ डालर तक पहुंचने की संभावना है। यह जानकारी केयरएज एडवाइजरी की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गयी है।

एलजीडी के निर्यात में वर्ष 2023-24 के लिए साल-दर-साल लगभग 16.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। वर्ष 2022-23 में इसका निर्यात 168 करोड़ डालर का था जो 2023-24 में 140 करोड़ डॉलर के बराबर रहा। इससे पहले छह-सात वर्ष तक एलजीडी के निर्यात में हर साल उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिक्री की मात्रा बढ़ रही है पर गिरती कीमतों ने निर्यात को प्रभावित किया है।

केयरएज एडवाइजरी का मानना है कि डालर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट तथा प्राकृतिक हीरे की मांग में नरमी से एलजीडी उद्योग को मदद मिलने और वर्ष 2024-25 में इसकी निर्यात के लिए मांग फिर से बढ़ने की उम्मीद है। इसका श्रेय अन्य प्रमुख एलजीडी उत्पादक देशों के खिलाफ भारत की तीव्र प्रतिस्पर्धा को दिया है। केयरएज एनालिटिक्स एंड एडवाइजरी की निदेशक तन्वी शाह ने कहा, ''एलजीडी निर्यात में 7-9 की अपेक्षित वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2024-25 में 150-153 करोड़ डालर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।''

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक और आर्थिक व्यवधानों का सामना कर रहा रत्न और आभूषण उद्योग प्राकृतिक हीरे की कम में गिरावट के असर को कम करने के लिए तेजी से बढ़ते एलजीडी बाजार पर भरोसा कर रहा है।

डाले गए मतों की कुल संख्या की तुलना करना विश्लेषण का बेहतर तरीका

■ भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने लोकसभा चुनाव के दौरान कम मतदान की बात को मिथक करार दिया

मुंबई (भाषा)।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में कम मतदान से जुड़ी चिंताओं को 'मिथक' बताते हुए कहा है कि डाले गये मतों की कुल संख्या की तुलना करना मतदान के विश्लेषण का एक बेहतर तरीका है।

भारतीय स्टेट बैंक में समूह मुख्य अर्थशास्त्री घोष ने कहा कि वास्तव में पहले दो चरणों में डाले गये वोटों की कुल संख्या में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घोष ने एक रिपोर्ट में कहा, 'इस साल हो रहे आम चुनाव के पहले दो चरणों में कथित तौर पर कम मतदान के बारे में प्रचारित अंतहीन बहस एक 'मिथक' है। डाले गये वोटों को मापने का एक बेहतर तरीका मतदाताओं की कुल संख्या है।'

चुनाव आयोग चुनाव के बाकी चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ है। सोलहवें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य घोष ने कहा कि मतदान 2019 के आम चुनावों के रुख से लगभग 3.1 प्रतिशत तक कम रहा है।

हालांकि उन्होंने कहा कि चुनाव के बाकी पांच चरणों में संख्या 'बढ़ सकती' है और इसमें 'जे-आकार' यानी स्थिर रुख के बाद तेज वृद्धि होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, '2019 के दौरान मतदान प्रतिरूप में सात चरणों में गिरावट देखी गई थी। यह शुरू में 69.4 प्रतिशत रहा और अंत में 61.7 प्रतिशत पर आ गया। हमारा मानना है कि 2024 में स्थिति इसके उलट हो सकती है। पहले दो चरणों में किए गए मतदान की पूरी संख्या को देखते हुए मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।'

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक के पहले दो चरणों के कुछ अच्छे बदलाव भी देखने को मिले। इसमें महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। यह रुख आरक्षित सीटों पर भी देखने को मिला है। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि 2024 में कर्नाटक में मतदाताओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि होगी जिसके बाद असम और महाराष्ट्र का स्थान होगा।

निर्वाचन क्षेत्रों के विस्तृत विश्लेषण से पता चलता है कि 85 निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए वोटों की कुल संख्या में एक लाख से अधिक की वृद्धि हुई जबकि 25 निर्वाचन क्षेत्रों में यथास्थिति बनी रही। इस तरह 60 प्रतिशत निर्वाचन क्षेत्रों में या तो मतदान बढा है अथवा कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है। इसमें बढती गर्मी और लू की वजह से भी मतदान पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

लोकसभा चुनाव सात चरणों में हो रहा है और तीसरे चरण का मतदान मंगलवार को होना है।

प्राकृतिक टर्फ और कृत्रिम फाइबर से बनने वाली पिच अधिक टिकाऊ

सतह को स्थापित करने में 'यूनिवर्सल मशीन' महत्वपूर्ण घटक

धर्मशाला में भारत की पहली 'हाईब्रिड पिच' का अनावरण

एजेंसी ▶▶ धर्मशाला

भारत की पहली 'हाईब्रिड पिच' का सोमवार को यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में भव्य समारोह में अनावरण किया गया। इस समारोह में आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर तथा एसआईएस के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक पॉल टेलर जैसे क्रिकेट से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

धूमल ने कहा, ''इंग्लैंड में लार्ड्स और द ओवल जैसे प्रतिष्ठित स्थलों में सफलता के बाद हाईब्रिड पिचों के इस्तेमाल से भारत में क्रिकेट में क्रांति आएगी।' प्राकृतिक टर्फ और कृत्रिम फाइबर से बनने वाली हाईब्रिड पिच अधिक टिकाऊ होती है। इससे मैदानकर्मियों पर पिच को तैयार करने में कम दबाव होता है और साथ ही खेलने की परिस्थितियों के स्तर को बरकरार करने में भी अधिक समस्या नहीं होती।

पिच में सिर्फ पांच प्रतिशत कृत्रित फाइबर

पिच में सिर्फ पांच प्रतिशत कृत्रित फाइबर होता है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि क्रिकेट के लिए जरूरी प्राकृतिक विशेषताओं को बचाया जा सके। टेलर ने इस प्रतिष्ठित परियोजना में साझेदारी के लिए एचपीसीए का आभार जताया। हाइब्रिड सतह को स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण घटक 'यूनिवर्सल मशीन' है जिसे 2017 में एसआईएसग्रास द्वारा विकसित किया गया था और इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट मैदानों में समान पिचें बनावे में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईसीसी ने टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में हाईब्रिड पिचों के इस्तेमाल को स्वीकृति दी है और योजना है कि इस साल से इनका इस्तेमाल चार दिवसीय काउंटी चैंपियनशिप में किया जाएगा।

खेलने की परिस्थिति होगी नियंत्रित : टेलर

भारत में हालांकि अलग तरह की चुनौती है जहां एक शहर से दूसरे शहर के मौसम और परिस्थितियों में बड़ा बदलाव होता है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और अब एसआईएसग्रास के अंतरराष्ट्रीय बिक्री निदेशक पॉल टेलर ने कहा, 'आप (हाइब्रिड पिच पर) खेलने की परिस्थितियों को नियंत्रित कर सकते हैं क्योंकि वे मौलिक रूप से नहीं बदलते हैं। आप पिच में नमी की मात्रा को नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आप सूखी पिच पर खेलना चाहते हैं, तो आप सूखी पिच पर खेल सकते हैं। अगर आप पिच पर अधिक घास छोड़ना चाहते हैं, तो आप ऐसा कर सकते हैं।'

बड़े बदलाव के संकेत

क्रिकेट के खेल में नई खोज और तकनीक से कई बदलाव आने के बावजूद पिच की तैयारी पारंपरिक ही रही है लेकिन अब 'हाइब्रिड पिचों' की शुरुआत ने इसमें भी धीरे-धीरे ही सही, बड़े बदलाव के संकेत दे दिए हैं। ब्रिटेन स्थित हाइब्रिड पिच निर्माता 'एसआईएसग्रास' इस नवाचार में सबसे आगे है और कंपनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती किसी मैच के दौरान इस तरह की पिचों पर खेलने की परिस्थितियों के स्तर को बरकरार रखने की होगी। 'एसआईएसग्रास' ने हालांकि इस कार्य को पूरा करने में विश्वास व्यक्त किया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	11	8	3	16
राजस्थान	10	8	2	16
चेन्नई	11	6	5	12
हैदराबाद	11	6	5	12
लखनऊ	11	6	5	12
दिल्ली	11	5	6	10
बेंगलोर	11	4	7	8
पंजाब	11	4	7	8
मुंबई	12	4	8	8
गुजरात	11	4	7	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली

542 रन

बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह

18 विकेट

मुंबई

बाउंड्री मीटर

1703 चौके

972 छक्के

खबर संक्षेप

रुबलेव ने पहली बार जीता मैड्रिड ओपन

मैड्रिड। बुखार के कारण रात भर सो नहीं पाने के बावजूद रूस के आंद्रेइ रुबलेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस खिताब जीत लिया। रुबलेव ने आगर एलियास्सिमे को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'मेरे पास शब्द नहीं है। अगर आपको पता चलेगा कि पिछले नौ दिन कैसे गुजरे हैं तो आप यकीन नहीं करेंगे कि मैं यह खिताब जीत सकता था।' नोवाक जोकोविच ने चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया था जबकि दानिल मेदवेदेव क्वार्टर फाइनल में रिटायर हो गए थे।

आमिर के आयरलैंड जाने में होगा विलंब

लाहौर। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर वीजा मुद्दों के कारण शायद मंगलवार सुबह राष्ट्रीय टीम के बाकी सदस्यों के साथ तीन मैच की टी20 श्रृंखला के लिए आयरलैंड रवाना नहीं हो पाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वस्त सूत्र ने कह कि टीम के बाकी सदस्यों को आयरलैंड का वीजा मिल गया है लेकिन 2010 स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में जेल की सजा काटने के कारण आमिर के वीजा में विलंब हो रहा है। सूत्र ने कहा, '2010 के स्पॉट फिक्सिंग मामले और इसके बाद जेल की सजा और प्रतिबंध के कारण अब भी उसे वीजा जारी करने की प्रक्रिया चल रही है।'

स्कॉटलैंड की टी20 टीम में व्हील, जोन्स की वापसी

एडिनबर्ग। माइकल जोन्स और ब्रैड व्हील की स्कॉटलैंड की 15 सदस्यीय टी20 विश्व कप टीम में वापसी हुई है, जबकि समरसेट के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश डेवी इसमें जगह बनाने से चूक गए। डरहम और हैम्पशर का प्रतिनिधित्व करने वाले क्रमशः जोन्स और व्हील को इस महीने की शुरुआत में नीदरलैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए स्कॉटलैंड की टीम से बाहर रखा गया था। इन दोनों को अगले महीने अमेरिका में होने वाली वैश्विक प्रतियोगिता के लिए उनकी काउंटी टीमों ने मंजूरी दे दी है।

आईपीएल

11 मैचों में पांचवीं हार से तालिका में 5वें स्थान पर हैदराबाद

सूर्या के शतक से मुंबई की चौथी जीत सनराइजर्स को सात विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सूर्यकुमार यादव की 51 गेंद में 102 रन की नाबाद पारी के अलावा चौथे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 79 गेंद में 143 रन की अटूट साझेदारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से शिकस्त दी। सनराइजर्स को आठ विकेट पर 173 रन पर रोकने के बाद मुंबई इंडियंस ने 17.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया। मुंबई की यह 12 मैचों में यह चौथी जीत है। सनराइजर्स की यह 11 मैचों में पांचवीं हार है। टीम 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर है।

मुंबई ने पांचवें ओवर में 31 रन पर तीसरा विकेट गंवा दिया था लेकिन सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल अपनी दूसरी शतकीय पारी के दौरान 12 चौके और छह छक्के लगाकर टीम को दबाव में नहीं आने दिया। तिलक ने 32 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके लगाए। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड (48) के बाद मुश्किल हालात में कप्तान पैट कमिंस की 17 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी खेली। 17वें ओवर में 136 रन पर आठवां विकेट गंवा दिया था लेकिन कमिंस ने दो चौके और दो छक्के जड़ने के साथ नौवें विकेट के लिए सनवीर सिंह (नाबाद आठ) के साथ 19 गेंद में 37 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को संघर्ष करने लायक लक्ष्य तक पहुंचाया।

सूर्यकुमार यादव
प्लेयर ऑफ द मैच
102* विकेट
51 गेंडन
12 रन
06 ओवर

पंड्या ने झटके 3 विकेट

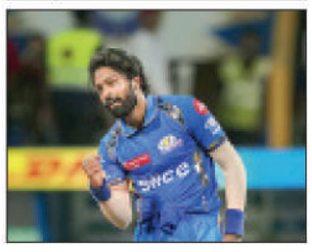

मुंबई के लिए अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला (33 रन पर तीन विकेट) और कप्तान हार्दिक पंड्या (31 रन पर तीन विकेट) ने शानदार गेंदबाजी की। जसप्रीत बुमराह (23 रन पर एक विकेट) एक बार फिर किफायती रहे तो वहीं अपने पदार्पण मैच में अंशुल कंबोज (42 रन पर एक विकेट) ने प्रभावित किया।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हेड का तिलक के चावला	48	30	7	1
अभिषेक का इशान बो बुमराह	11	16	0	1
मयंक अग्रवाल बो कंबोज	05	06	1	0
रेड्डी का कंबोज बो हार्दिक	20	15	2	0
हेनरिच क्लासेन बो चावला	02	04	0	0
मार्को यानसेन बो हार्दिक	17	12	1	1
शाहबाज का सूर्य बो हार्दिक	10	12	0	0
अब्दुल समद पगबाधा चावला	03	04	0	0
पैट कमिंस नाबाद	35	17	2	2
सनवीर सिंह नाबाद	08	07	0	0
अतिरिक्त : 14, कुल : 20 ओवर में 173/8				
गेंदबाजी : तुषारा 4-0-42-0, कंबोज 4-0-42-1, बुमराह 4-0-23-1, हार्दिक 4-0-31-3, चावला 4-0-33-3.				
मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
किशान का मयंक बो यानसेन	09	07	2	0
रोहित का क्लासेन बो कमिंस	04	05	1	0
धीर का यानसेन बो भुवनेश्वर	00	09	0	0
सूर्यकुमार यादव नाबाद	102	51	12	6
तिलक वर्मा नाबाद	37	32	6	0
अतिरिक्त : 22, कुल : 17.2 ओवर में 174/3				
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-22-1, यानसेन 3-0-45-1, कमिंस 4-0-35-1, नटराजन 3.2-0-31-0, नीतीश 2-0-16-0, शाहबाज 1-0-11-0.				

खास खबर

मनिका ने किया बड़ा उलटफेर वर्ल्ड नंबर-2 मान्यु को दी मात

केएईसी। भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने सोमवार को यहां सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज चीन की वांग मान्यु को हराकर अपने एकल करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 39वीं स्थान पर काबिज मनिका ने चीन की दूसरी वरीय खिलाड़ी के खिलाफ 37 मिनट तक चले मुकाबले को 6-11, 11-5, 11-7, 12-10 से अपने नाम किया। मनिका टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता और 2021 विश्व चैंपियन के खिलाफ शुरुआती गेम हार गई, लेकिन उन्होंने अगले दो गेम जीत कर वापसी की और फिर चौथे गेम में शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन की खिलाड़ी को पछाड़कर मुकबला अपने नाम किया। गैर वरीयता प्राप्त मनिका ने रविवार को रोमानिया की एंड्रिया ड्रैगोमैन को हराया था। वह मंगलवार को अंतिम 16 दौर में जर्मनी की 14वीं रैंकिंग की खिलाड़ी नीना मित्तेलहम से भिड़ेंगी।

युगांडा के एनसुबुगा टी20 विश्व कप में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

कंपाला। युगांडा के ऑफ स्पिनर फ्रैंक एनसुबुगा 43 साल की उम्र में आगामी टी20 विश्व कप में खेलने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बनने के लिए तैयार हैं। युगांडा क्रिकेट संघ ने सोमवार को दो जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप के लिए ब्रायन मसाबा की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। रियाजत अली शाह टीम के उपकप्तान है। युगांडा ने अफ्रीका क्वालीफायर की क्षेत्रीय प्रतियोगिता में नामीबिया के बाद दूसरे स्थान पर रहकर टी20 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की की है। टीम अपने अभियान का आगाज तीन जून को गयाना में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगी। ये दोनों टीमें न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप सी में शामिल हैं।

महिला टी20 : भारत ने बांग्लादेश को हराकर दर्ज की लगातार चौथी जीत

एजेंसी ▶▶ सिलहट

कप्तान हरमनप्रीत कौर की उम्दा पारी के बाद दीप्ति शर्मा की अगुआई में गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन से भारत ने वर्षा से प्रभावित 14 ओवर के चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में सोमवार को यहां बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 56 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बनाई।

भारत ने हरमनप्रीत (39) और रिचा घोष (24) के बीच चौथे विकेट की 44 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 122 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (22) और डी हेमलता (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत बांग्लादेश को 125 रन का लक्ष्य मिला लेकिन दीप्ति शर्मा (13 रन पर दो विकेट), आशा शोभना (18 रन पर दो विकेट) और राधा यादव (12 रन पर एक विकेट) की फिरकी के जादू के सामने मेजबान टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी और सात विकेट पर 68 रन ही बना सकी। बांग्लादेश की ओर से सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (21), रूबिया हैदर (13) और शोरिफा खातून (नाबाद 11) ही दोहरे अंक में पहुंच सकीं।

कोहली के खिलाफ बनाएंगे रणनीति

लाहौर। पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि विराट कोहली भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से हैं और अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में उनके बल्ले पर अंकुश लगाने के लिए रणनीति जरूर बनाई जाएगी। टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होगा जिसमें भारत और पाकिस्तान नौ जून को न्यूयॉर्क में आमने सामने होंगे। यहां प्रेस कांफ्रेंस में उनसे पूछा गया कि क्या वह शानदार फॉर्म में चल रहे कोहली के खिलाफ रणनीति बनायेंगे, इस पर उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में विरोधी के टीम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ रणनीति बनाई ही जाती है।

टी20 विश्व कपः भारतीय टीम की नई जर्सी लांच

मुंबई। अगले महीने टी20 विश्व कप का आगाज होने जा रहा है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की सह मेजबानी में होने वाले इस विश्व कप को लेकर सभी टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। इस टी20 विश्व कप में टीम इंडिया नई जर्सी में उतरेगी। बीसीसीआई ने टी20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया की नई जर्सी लांच कर दी है। बीसीसीआई ने नई जर्सी को लांच करने के लिए खास अंदाज अपनाया। टीम इंडिया की नई टी20 जर्सी को हेलीकॉप्टर से लांच किया गया। वीडियो में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा नजर आए। रोहित कुलदीप और जडेजा को कुछ इशारा करते हैं, तभी हेलीकॉप्टर नजर आता है और उस पर टीम इंडिया की नई टी20 जर्सी टंगी दिखाई पड़ती है। इसे देखकर रोहित, कुलदीप और जडेजा हैरान रह जाते हैं।

विश्व एथलेटिक्स : महिलाओं का अद्वितीय प्रदर्शन

भारतीय रिले टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

एजेंसी ▶▶ नासाउ

भारतीय महिला और पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने यहां सोमवार को विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। रुपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने तीन मिनट 29.35 सेकंड का समय लेकर पहली हीट में जमैका (3:28.54) के बाद दूसरा स्थान हासिल करके पेरिस का टिकट कटाया।

भारतीय टीम रविवार को पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट 29.74 सेकंड का समय निकालकर पांचवें स्थान पर रही थी। बाद में पुरुष टीम (मोहम्मद अनस याहया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोल जैकब) तीन मिनट 3.23 सेकंड का समय निकालकर अमेरिका (2:59.95) के बाद दूसरे स्थान पर रही।

महिला टीम ने खींचा ध्यान

दूसरे दौर में तीनों हीट से शीर्ष दो टीमों ने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई किया। महिला टीम का ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना सुखद आश्चर्य रहा क्योंकि फोकस पुरुष टीम पर था जिसने टोक्यो ओलंपिक और 2023 विश्व चैंपियनशिप में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा था। इसके अलावा 2023 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक भी जीता था।

रमेश की जगह शामिल हुए राजीव

पहले दौर में पुरुष टीम रेस पूरी नहीं कर सकी थी क्योंकि दूसरे चरण के धावक राजीव रमेश को मांसपेशी में खिंचाव के कारण बीच में ही बाहर होना पड़ा था। राजीव अरोकिया ने टीम में रमेश की जगह ली और अनस तथा अजमल के बाद तीसरा चरण दौड़े। भारतीय पुरुष टीम तीसरे स्थान पर थी जब आखिरी चरण के धावक जैकब ने अरोकिया से बेटन ली और जबर्दस्त दौड़ लगाते हुए मैक्सिको के प्रतिद्वंद्वी को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक में 3:00.25 में रेस पूरी करके एशियाई रिकार्ड तोड़ा था। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप 2023 में 2:59.5 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया था।

भारत के ट्रैक और फील्ड के 19 खिलाड़ी क्वालीफाई

भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। पहली बार लॉस एंजिलिस में 1984 खेलों में महिला चार गुणा 400 मीटर रिले की शुरुआत के बाद से भारतीय टीम आठवीं बार उतरेगी। वहीं पुरुष टीम चौथी बार भाग लेगी क्योंकि इस वर्ग की स्पर्धा 2000 सिडनी ओलंपिक से ही शुरू हुई है। अब भारत के ट्रैक और फील्ड के 19 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं जिनमें भालाफेंक चैंपियन नीरज चोपड़ा शामिल हैं।

प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए तीन खिलाड़ी नॉमिनेट

दुबई। आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए दुनिया के तीन खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया है। अप्रैल 2024 के लिए ICC मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ की शॉर्टलिस्ट में पाकिस्तान के अलावा नामीबिया और यूएई के खिलाड़ी का नाम शामिल है। इस लिस्ट में पहला नाम नामीबिया के गेरहार्ड इरास्मस का है। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस पिछले महीने के ओमान दौरे के दौरान शानदार लय में थे क्योंकि उन्होंने बल्ले और गेंज दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। इस लिस्ट में दूसरा नाम यूएई के मुहम्मद वसीम का है। दाएं हाथ का यह धुरंधर खिलाड़ी पिछले महीने अच्छी फॉर्म में थे। उन्होंने एसीसी प्रीमियर कप में काफी रन बनाए थे और इस दौरान उन्होंने अपने करियर का तीसरा शतक भी जड़ा था। आईसीसी के इस खास लिस्ट में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी का नाम भी शामिल है।

Entertainment News

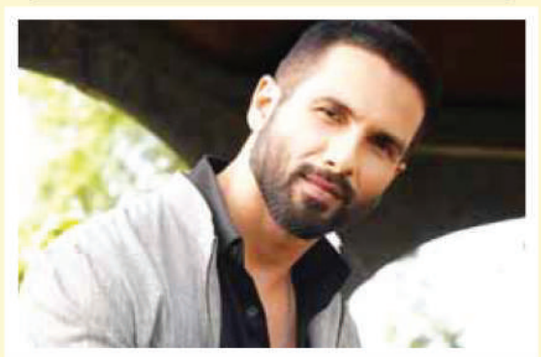

जब शाहिद को एक नहीं दो-दो गर्लफ्रेंड ने दिया था

प्यार में धोखा

बी-टाउन के चॉकलेटी ब्वॉय कहे जाने वाले शाहिद कपूर 'इश्क विश्क' से डेब्यू करने के बाद से ही लाखों दिलों की धड़कन बन गये थे। हालांकि शाहिद कपूर अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहे हैं हालांकि अब वह शादी कर सैटल हो चुके हैं और दो बच्चों के पिता भी बन चुके हैं। शाहिद ने दिल्ली की मीरा राजपूत से अरेंज मैरिज करके सबको चौंका दिया था। दोनों की शादी जुलाई 2015 में हुई थी। हालांकि लाखों लेडी फैंस के दिल पर राज करने वाले शाहिद का एक नहीं दो-दो बार दिल टूट चुका है। एक पुराने इंटरव्यू में खुद शाहिद ने यह बात एक्सेप्ट की थी।

जब शाहिद को याद आई उनकी एक्स

शाहिद कपूर पत्नी मीरा के साथ नेहा धूपिया के शो में पहुंचे थे और इस दौरान तीनों से कई सारी बातें बताई थी और शेयर की थी। यहां तक की शाहिद इस दौरान मीरा के सामने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के बारे में बातें करने से भी नहीं हिचकिचाए और मीरा ने इस बातों में काफी दिलचस्पी दिखाई और शाहिद की कई सारे पोल खोलीं। इस टॉक शो के दौरान शाहिद से नेहा ने सवाल किया कि क्या उन्हें किसी लड़की ने धोखा दिया है, अगर हां तो वो कौन थी? इस पर शाहिद हंसने लगे। ●

अब मां का रोल

निभाएंगी मधु

एक्ट्रेस मधु शाह ने अजय देवगन के साथ फूल और कांटे से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कुछ साल पहले उन्होंने बयान दिया था कि वह अजय देवगन की मां का किरदार नहीं निभाना चाहती हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें कभी अजय देवगन की मां का किरदार निभाने को दिया गया तो वह मना कर देंगी, क्योंकि वह भी उन्हीं की उम्र की हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने हालिया इंटरव्यू में अपने उस बयान पर खुलकर बात की है और स्वीकार किया है कि अब वह अजय देवगन की मां का रोल निभाने के लिए तैयार हैं। मधु ने एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि एक अभिनेत्री के रूप में वह परिपक्व हुई हैं और इस तरह की भूमिका को वह एक चुनौती के रूप में लेंगी। मधु ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, उस बयान को गलत कॉन्टेक्स में लिया गया। ●

सुनिधि चौहान ने लाइव कॉन्सर्ट में हुए हमले पर

तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की शानदार सिंगर सुनिधि चौहान अपनी आवाज से लाखों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। सिंगर का हर नया गाना फैंस को खुश कर देता है और सुनिधि चौहान के कॉन्सर्ट में भी लोगों की भारी भीड़ देखने के लिए मिलती है, जहां फैंस उन्हें भर-भरकर प्यार देते हैं। वहीं, हाल ही में सुनिधि चौहान के साथ एक लाइव कॉन्सर्ट में हैरानी करने वाली घटना हुई। सुनिधि चौहान पर लाइव कॉन्सर्ट में भीड़ में मौजूद लोगों ने हमला कर दिया। सिंगर पर भीड़ से कुछ लोगों ने पानी की बोतल फेंककर मारी, जिस पर अब सिंगर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इस मामले पर सुनिधि ने कहा कि ये किसी ने भी जानबूझकर नहीं किया था। शो के दौरान वह अपना दूसरा आखिरी गाना गा रही थीं और भीड़ में मौजूद सभी लोग अपनी मस्ती में थे, तभी उन्होंने हवा में बोतलें फेंकते देखीं। सुनिधि ने आगे कहा कि एक बोतल स्टेज पर गिर गई क्योंकि उसमें पानी था। ये देखकर वह काफी हैरान हो गई। उनके मुंह से यही निकला.. ये क्या हो रहा है? देखो रुक जाएगा। सुनिधि ने बताया कि उनकी ये बात सुनकर फैंस ने गाना ना रोकने की गुजारिश की जब फैन्स ने जवाब दिया, नहीं, कृपया मत करो। सुनिधि चौहार ने आगे यह भी कहा कि एक बोतल उनके माइक्रोफोन पर बहुत जोर से लगी थी। वह बहुत तेज हमला हुआ था, लेकिन बस उन्हें कुछ नहीं हुआ। अगर वह माइक उनके मुंह के पास होता, तो उन्हें काफी चोट लग सकती थी। ●

Bollywood Update

दो साल बाद आदित्य-अनन्या का हुआ ब्रेकअप

बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे पिछले दो साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने कभी भी इस रिश्ते को कंफर्म नहीं किया लेकिन कई बार पार्टी और वेकेशन पर साथ नजर आते हैं। लेकिन अब खबर आ रही है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे ने भले ही अपना रिश्ता कभी भी कंफर्म नहीं किया हो लेकिन बॉलीवुड गलियारों में इसकी हर तरफ चर्चा होती है। सोशल मीडिया पर आए दिन दोनों के साथ की तस्वीरें वायरल होती रहती हैं। लेकिन अब उनके करीबी दोस्त ने दावा किया है कि 2 साल तक डेट करने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया है।

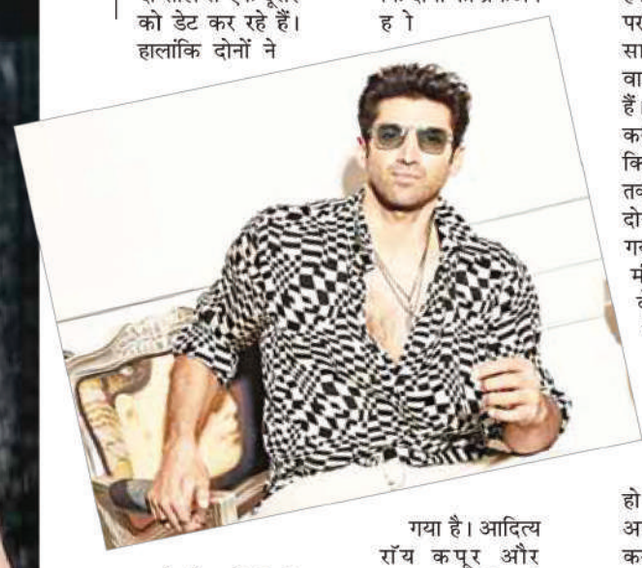

मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कपल के करीबी सूत्र ने जानकारी देते हुए कहा कि, लगभग एक महीने पहले उनका ब्रेकअप हो गया। दोनों काफी अच्छा बॉन्ड शेयर कर रहे थे लेकिन इनका ब्रेक-अप हम सभी के लिए किसी झटके से कम नहीं है। अनन्या आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है, अब चोट तो लगी ही है। वह अपने नए दोस्त के साथ समय बिता रही हैं। वहीं आदित्य भी स्थिति से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कपल के करीबी ने ये भी दावा किया है कि एक महीने पहले ही दोनों का ब्रेकअप हो चुका है। फिलहाल दोनों मूव-ऑन करने की कोशिश में हैं। फिलहाल वह इस ब्रेकअप से काफी दुखी हैं।

इस खबर के सामने आने के बाद से कपल के फैंस हैरान हैं। फिलहाल अब तक आदित्य और अनन्या की तरफ से इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है। ●

माता सीता का रोल निभाएंगी कच्चा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा

अपनी दिलकश रील्स से लोगों के दिलों पर जादू चलाने वाली अंजलि अरोड़ा अब अपनी एक्टिंग से अपने फैंस के दिलों में घर करेंगी। हाल ही में एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि अंजलि अरोड़ा को माता सीता का रोल ऑफर हुआ है। सोशल मीडिया पर अपने कमाल के डांस वीडियो को लेकर उनका नाम आए दिन चर्चा का विषय बनता रहता है। अब वो अपने डेब्यू की वजह से खबरों में हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें उनके डेब्यू के लिए पहला रोल भी ऑफर हो चुका है। आपको जानकर हैरानी होगी कि वह अपनी पहली मूवी में रामायण की सीता का किरदार निभाती नजर आएंगी। अंजलि अरोड़ा ने भरी हामी हाल ही में ई टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने फिल्म डेब्यू को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा- मैं इस रोल की पेशकश से धन्य महसूस कर रही हूं। देवी सीता का कैरेक्टर इतना पवित्र है कि इसे कोई भी नकार नहीं सकता। मै यह जानना चाहती थी कि डायरेक्टर ने मुझे ही क्यों चुना, मैंने उनसे पूछा,

और उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ एक्ट्रेस को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनमें मैं भी शामिल हूं। मेरा मानना है कि उन्होंने मुझमें कुछ ऐसा देखा, जिससे उन्हें यकीन हो गया कि मैं किरदार के साथ न्याय कर सकती हूं। मुझे पिछले महीने फाइनल किया गया था, और तब से, मैं वीडियो देख रही हूं, पढ़ रही हूं और वर्कशॉप अटेंड कर रही हूं। मैं किरदार के साथ न्याय करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। ट्रोलिंग से नहीं पड़ता फर्क एक इंफ्लुएंसर के रूप में अंजलि को काफी हद तक ट्रोलिंग और विवादों का सामना करना पड़ा है। उनसे पूछा गया कि क्या उनकी सोशल मीडिया पर मौजूदगी भगवान के किरदार को निभाने में बाधा बन सकती है? तो उन्होंने जवाब दिया- मैं लोगों की मानसिकता नहीं बदल सकती। एक एक्टर के रूप में, मुझे जो भी रोल मिलता है, मैं उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इसके अलावा, हम ट्रोल्स को रोक नहीं सकते, क्योंकि उनका मानना है कि उन्हें हमें ट्रोल करने का अधिकार है। मेरी सोशल मीडिया इमेज का मेरी एक्टिंग से कोई लेना-देना नहीं है और यह मेरे परफॉर्मेंस को प्रभावित नहीं करेगी; मेरा गोल दूसरों से वेलिडेशन मांगने के बजाय खुद को साबित करना है। ●

मशहूर एक्ट्रेस

कैमरे के सामने लिपलॉक करने से हुईं बीमार

फिल्मी कलाकारों पर एक-एक सीन के लिए बेहद मेहनत करनी पड़ती है। फिर चाहे वो कोई एक्शन सीन हो या फिर कोई रोमांटिक, कोई सैड सीन हो या कोई हैप्पी सीन। हर एक सीन में जान फूंकने के लिए स्टार्स बेहद मेहनत करते हैं। कई बार इसके लिए कलाकारों को तमाम चीजों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें जब एक एक्ट्रेस अपने को-स्टार के साथ कैमरे पर किसिंग सीन दे रही थी, तो इसके बाद वो बीमार हो गई।

जी हां, हालिया सामने आई रिपोर्ट की मानें तो उसमें बताया गया कि ब्रिटिश एक्ट्रेस एमिली ब्लंट अपने को-स्टार को स्मूच करने के बाद बीमार हो गई। इस पर बात करते हुए खुद एमिली ब्लंट का कहना है कि मैं ये बिल्कुल नहीं कहना चाहती कि ये बहुत घिनौना था, लेकिन इसको करने में मुझे बिल्कुल मजा नहीं आया और मैंने इसे एंजॉय नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसको करने में वो जरा भी दिलचस्पी नहीं रखती हैं। आपको बता दें कि एक अमेरिकी रेडियो होस्ट हॉवर्ड स्टर्न से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मुझे इसके बारे में कुछ ऐसा खोजना चाहिए, जो मुझे पसंद है। मेरा मतलब है कि कुछ ऐसा जिससे उन्हें भी बुरा ना लगे और मैं भी अच्छा फील करूं। साथ ही ये भी हो सकता है कि उस इंसान के बारे में कुछ ऐसी बातें जो अच्छी हों और अलग हों।

फिल्म से मिला अच्छा दोस्त

ब्लंट ने आगे कहा कि एक एक्शन फिल्म में काम करने वाले मेरे को-स्टार के साथ मैंने उनकी प्रेमिका का रोल अदा किया था, वो बहुत अच्छे थे। ●

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम

बॉलीवुड में कई बाप-बेटे की जोड़ी हैं लेकिन हर किसी के नाम रिकॉर्ड दर्ज नहीं है। सिर्फ एक ही जोड़ी है जिनसे अपने नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड किया है। वैसे तो हर कोई इस जोड़ी को जानता ही है लेकिन आज हम आपक बताते हैं कि इन्होंने ऐसा क्या किया कि इनका नाम गिनीज वर्ल्ड बुक में लिखा गया। हम जिस बॉलीवुड जोड़ी की बात कर रहे हैं वो है अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन की। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है और उनकी एक्टिंग की हर जगह तारीफ हुई है। ये जोड़ी है अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन की। अमिताभ बच्चन जितने सुपरहिट रहे हैं। उनके बेटे को करियर के शुरुआत में उतनी ही ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। मगर अब अभिषेक अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके हैं। गुरु के बाद से अभिषेक ने एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में दी हैं। अमिताभ और अभिषेक के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज है। अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन ने साथ में फिल्म पा में काम किया था। आर बाल्की की ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। इस फिल्म की खासियत ये थी कि असल जिंदगी से उलट दोनों ने रोल प्ले किए थे। मतलब अभिषेक बच्चन पिता और अमिताभ बच्चन ने उनके बेटे का किरदार निभाया था। ऐसा पहली बार बॉलीवुड में हुआ था। जिसकी वजह से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस बाप-बेटे की जोड़ी का नाम दर्ज किया गया था।

ऐसा था किरदार

फिल्म पा में अमिताभ बच्चन ने ऑरो नाम के बच्चे का किरदार निभाया था जो प्रोजेरिया नाम की बीमारी से पीड़ित था। इस बीमारी में कम उम्र में बच्चों में बुढ़ापे के लक्षण दिखने लगते हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन ने उनके पिता का किरदार निभाया है जो कि एक नेता होते हैं। जब अभिषेक ऑरो से मिलने आते हैं तभी सभी को इस बारे में पता चलता है। ●

प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए देश को आगे बढ़ा रहे हैं : डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार पहुंचे मठ और मंदिर, मत्था टेक पीएम मोदी की ऐतिहासिक जीत का मांगा आशीर्वाद

प्रखर वाराणसी। भाजपा के मठ मंदिरों में संपर्क के क्रम में सोमवार को तीसरे दिन प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कार्यकर्ताओ के जत्थों संग क्रमशः पांच मंदिरो में मत्था टेका और मंदिरों के महंत व पुजारी को अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिकार्ड मतों से जीत का आशीर्वाद मांगा` इस क्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने चिंतामणि गणेश मंदिर, सोनारपुरा के महंत सुब्बाराव, बाबा विश्वनाथ मंदिर के महंत कुलपति तिवारी, विक्षालाक्षी मंदिर मीरघाट के महंत सुरेश तिवारी, महंत राजनाथ तिवारी, धर्मेश्वर महादेव मंदिर धर्मकूप के महंत शंकर उपाध्याय, बड़े हनुमान मंदिर मीरघाट के महंत राजेश्वर प्रसाद उपाध्याय से मिलकर मिलकर उनका आशीर्वाद

लिया, अंगवस्त्रम ओढ़ाकर उनका सम्मान किया व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनकल्याणकारी कार्यों एवं उपलब्धियों का पत्रक सौपा एवं वाराणसी लोकसभा में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर चर्चा की। बातचीत के दौरान राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा भारत को विकसित भारत बनाने के जो संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है उसे पुरा करने के लिए 140 करोड़ भारतवासियों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी` कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए देश को आगे बढ़ा रहे हैं हमारी सरकार देश की आस्था और परम्परा को भी आगे बढ़ा रही है कहा कि पहले की काशी और आज की काशी में जमीन आसमान का अंतर है` कहा कि दस साल पहले जो काशी आया था वो आज की बदली हुई काशी को देखकर आश्चर्यचकित हैं कहा कि आज काशी विकास का रोल माडल बन चुकी है` काशी विश्वनाथ कारीडोर बनने के बाद देश और दुनिया से श्रद्धालु एवं पर्यटक काशी आ रहे हैं जिसके कारण काशी आर्थिक रुप से भी समृद्ध हुई है लोगों को विशेषकर युवाओं को रोजगार के अवसर मिले है। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विकास के नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेतृत्व में भारत का मान सम्मान पुरी दुनिया में बढ़ा है कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास के साथ साथ विरासत को संजोने का अद्भुत काम किया है` कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री राम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कारिडोर, केदारनाथ धाम, विंध्याचल कारिडोर, महाकाल लोक आदि का दिव्य,भव्य और नव्य निर्माण कराया। इस अवसर पर मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी गौरव राठी, संतोष सैनी, सौरभ राय, हरदत्त शुक्ला, अरुण पांडेय, दिलीप यादव, सुधीर त्रिपाठी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता अंर्तगत रन फॉर एथिकल वोटिंग मैराथन दौड़ को सीडीओ ने दिखाई हरी झंडी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जिला प्रशासन के द्वारा सुबह 7:30 बजे मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। अपर स्वीप नोडल जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ सिंह एवम जिला क्रीड़ा अधिकारी अरविंद यादव के नेतृत्व में मैराथन दौड़ कार्यक्रम में अधिकारी, कर्मचारियों, पुलिस, खिलाड़ी एवं छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता दौड़ की शुरूवात किया। विकास भवन से शुरू हुई रन फॉर एथिकल वोटिंग विकास भवन चौराहा, स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज, जिलाधिकारी आवास, शास्त्री नगर चौराहा, सिंचाई विभाग चौराहा, सदर ब्लॉक मुख्यालय होते हुए विकास भवन में समाप्त हुई। मैराथन दौड़ के दरम्यान खिलाड़ी, बच्चो द्वारा मतदान के महत्व और मतदाता की भूमिका से संबंधित नारे लगाए जा रहे थे। मुख्य विकास

अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि आगामी चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इस मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया । उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी अहम है। इसलिए 1 जून को अवश्य मतदान करें, साथ ही कहा कि मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए लगातार इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान मैराथन में शामिल सभी लोगों से दैनिक जीवन में प्रत्येक दिन मॉर्निंग वॉक करने की अपील उन्होंने की, जिससे आप सभी लोग स्वस्थ व तंदरुस्त रहेंगे। इस जागरूकता दौड़ में एसडीएम प्रखर उत्तम, समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप पांडेय, जिला प्रोबेसन अधिकारी संजय सोनी, बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव, स्वीप समन्यवक डॉ अमित, डॉ हरिओम, स्वीप आइकन अरविंद शर्मा, जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

जल ही जीवन है भीषण गर्मी में बालिकाओं की प्यास बुझाने के लिए लगाया स्थाई प्याऊ अमृत धारा

प्रखर वाराणसी। भीषण गर्मी में आम जन मानस की प्यास बुझाने के लिए समाजिक संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा वाराणसी द्वारा जगह जगह स्थाई प्याउ वाटर कूलर अमृत धारा लगाने व्यवस्था कर रही है। संस्था की अध्यक्षा स्मिता लोहिया ने बताया कि जल ही जीवन है के तहत आज चेतगंज स्थित आर्य महिला इंटर कॉलेज में भीषण गर्मी में बालिकाओं की प्यास बुझाने के लिए स्थाई प्याऊ (वाटर कूलर) अमृत धारा स्वर्गीय मालकोश नवलगढ़िया की स्मृति लगाया गया है। जिसका लोकार्पण मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी श्रीमती शांति देवी रुंगटा जीके कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि

मारवाड़ी समाज की महिलाएं हर क्षेत्र में बढ़ चढ़कर भाग ले रही है राष्ट्र हित में सहयोग कर रही। गर्मी के संग हो जाती है सुबह एक और कहानी प्यासे लोग तरसते हैं और मिलता नहीं है पानी आईये हम सब मिलकर प्यासे को पानी पिला सके इससे बढ़कर नहीं कोई नेक काम। संस्था की अध्यक्षा स्मिता लोहिया विनीता प्रसाद मेघा यादु का अलका पोद्दार निधि अग्रवाल उषा तुलस्यान ज्योति नवलगढ़िया कृष्ण चौधरी श्रद्धा अग्रवाल मनीषा अग्रवाल निधि केडिया सुरेश तुलस्यान महेश चौधरी कृष्ण कुमार काबरा श्याम मनोहर लोहिया पंकज टेकरीवाल आलोक बोरा शालिनी अग्रवाल मोनिका मस्कारा ने सहयोग किया।

जमीनी विवाद में चली गोली पिता की मौत, पुत्र-पुत्री घायल

प्रखर पूर्वांचल। जौनपुर जिले के थाना सरायख्वाजा अंतर्गत कयार गांव में मंगलवार की सुबह लगभग 8.30 बजे गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया जब दबंगो ने ग्रामवासी एजाज अहमद को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के बाद फरार हो गए है।जबकि इस गोलीकांड की घटना में मृतक के पुत्र और पुत्री घायल है जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।घटना की खबर मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुँच कर मृतक की लाश कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर हत्यारो की धर पकड़ के लिए टीम घटित कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है,रिपोर्टर के अनुसार ग्राम वासी एजाज अहमद के घर पर राजगीर मिस्त्री द्वारा मकान की छत ढालने के लिए सटरिंग का काम किया जा रहा था।मृतक एजाज के दबंग पड़ोसी जिससे जमीनी विवाद चल

रहा था 6 मई को मिस्त्री से विवाद कर लिया एजाज के पुत्र अब्दुल रहीम ने रोक टोक किया तो उसके साथ मारपीट किया और अपने मकान की छत से पथराव किया।पथराव में हमलावर दबंग के दादा याकूब भी जख्मी हो गए थे। इसी बात को लेकर मंगलवार की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे सुबह जब एजाज अपने घर से बाहर निकला तो याकूब के पौत्र असलहा लेकर एजाज पर हमलावर हो गए और पहले डन्डे से वार किया फिर गोली मारकर एजाज की हत्या कर दिया। अपने पिता को बचाने के लिए घर से बाहर निकले पुत्र अब्दुल रहीम और बेटी सादिया को भी दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना की खबर लगने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुँच गई और घटना की छानबीन शुरू कर दी है।तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू है। गोलीकांड की खबर मिलते ही जिले के आला पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुँच गये थे।इस घटना के संबंध एसपी ग्रामीण ने बताया की तहरीर के आधार पर आरोपियों की तलाश टीम बना कर शुरू है, जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

छत से घुसे चोरों ने लाखों की चोरी

पिंडरा। फूलपुर थानाक्षेत्र के मंगारी गांव निवासी रिटायर शिक्षक के घर छत के रास्ते घुसे चोर आलमारी में रखे लाखों रुपए मुल्य के सोने के आभूषण चुरा ले गये। चोरी की जानकारी परिजनों को सुबह सोकर उठने के बाद हुई। सुचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार उपरोक्त गांव निवासी गृहस्वामी घटना के समय घर के बाहर बरामदे में सोये थे उनके पुत्र शिशिर कुमार शर्मा उर्फ राजू परिवार के अन्य सदस्य घर के अंदर सोये थे मध्य रात्रि छत के रास्ते घुसे चोर घर के अंदर सोये लोगों के कमरे में बाहर से दरवाजा बंद कर आभुषण रखे कमरे में घुस गये और आलमारी खोलकर उसने रखा पांच सोने की चैन,चार चुड़ी, पांच अंगुठी एक जोड़ा कान का झुमका सभी सामान सोने का चुरा ले गये। इस बाबत इन्स्पेक्टर संजय मिश्रा ने बताया कि चोरी संदेहास्पद ढंग से हुई। चोर केवल गहने को हाथ लगाया और बगल में रखे रुपये को छुआ तक नही। न ही कही ताला टूटा।

लोकसभा नामांकन के पहले दिन 19 प्रत्याशियों ने लिया पर्चा, एक निर्दल ने किया पर्चा दाखिल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 75-गाजीपुर संसदीय लोक सभा क्षेत्र हेतु प्रथम दिन नामांकन स्थल से जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष कलेक्ट्रेट से 19 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। जिसमें सत्यदेव यादव निर्दल 01 सेट, सुबेदार कुमार बिन्द प्रगतिशिल मानव समाज पार्टी 01 सेट, दिनेश कुमार कन्नौजिया निर्दल 01 सेट, अजय विश्वकर्मा विश्व कल्याण राष्ट्रीय मानव समाज पार्टी 01 सेट, सर्वदेव सिंह उर्फ डा0 सर्वदेव सिंह निर्दल 01 सेट, सत्यनारायन सर्वलाकहित समाज पार्टी 01 सेट, उमेश कुमार सिंह बहुजन समाज पार्टी द्वारा 02 सेट, धनंजय कुमार तिवारी भारतीय लाकवाणी पार्टी 01 सेट, मु0 जिलानी रायनी आवामी पिछड़ा पार्टी 01 सेट, कुबेर राम जनता राज पार्टी 01 सेट, मोहम्मद साद आदिल इस्लाम पार्टी 01 सेट, रामप्रवेश मौलिक अधिकार पार्टी 02 सेट, नन्दलाल राजभर सुहेलदेव पार्टी 01 सेट, ज्ञानचन्द्र बहुजन मुक्ति पार्टी 01 सेट, अफजाल अंसारी समाजवादी पार्टी 04 सेट, नुसरत अंसारी समाजवादी पार्टी 04 सेट, पारसनाथ भारतीय जनता पार्टी 01 सेट, गुलाम मुइनुद्दीन आवामी

पिछड़ा पार्टी 01 सेट एवं सुनील निर्दल से 01 सेट नामांकन पत्र लिया गया। इसके क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी के सम्मुख निर्दलीय प्रत्यासी सत्यदेव यादव पुत्र भिमल यादव निवासी ग्राम सराय पीर मोहम्मद पोस्ट-चौकिया गाजीपुर सदर तहसील सदर द्वारा 01 सेट में नामांकन पत्र भरकर दाखिल किया गया।

अराजक तत्वों ने फिर क्षतिग्रस्त किया अम्बेडकर प्रतिमा, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दुल्लहपुर के हरदासपुर कला ग्रामसभा में आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब जब ग्रामीणों ने सुबह-सुबह अंबेडकर प्रतिमा की टूटी हुई हाथ को देखा। ग्रामीण तत्काल सूचना दुल्लहपुर थाना अध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह को दिया और ग्रामीणों ने प्रतिमा के बगल में ही रोड चक्का जाम करके धरना प्रदर्शन करने के लिए बैठ गए जैसे ही ब्लॉक के अधिकारियों को और पुलिस को इसकी सूचना मिली देखते ही देखते पूरे ब्लॉक के आला अधिकारी जखनिया एसडीएम कमलेश सिंह, सीओ बलराम, कोतवाल तारा देवी, थाना अध्यक्ष दुल्लहपुर राजेश बहादुर सिंह व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उनकी कुछ ही देर बाद जखनिया विधायक बेदी राम भी मौका पर पहुंचे। जखनिया एसडीएम कमलेश सिंह और बेदी राम विधायक जखनिया एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों की बात सुनी। ग्रामीणों ने मांग किया कि तत्काल बाबा साहब का नया प्रतिमा लगना चाहिए, मौके पर मौजूद जखनिया एसडीएम कमलेश सिंह, विधायक बेदी राम ने आश्वासन दिया की बहुत जल्दी नई मूर्ति की स्थापना कर दी जाएगी फिलहाल तत्काल में जो मूर्ति खंडित हुई है उसकी मरम्मत करा दी जा रही है।

फिर भी ग्रामीण बात को मानने को तैयार नहीं थे। ग्रामीण लगातार मांग कर रहे थे कि अंबेडकर साहब की स्थापना भीटे की जमीन पर हुई है। और भीटा के जमीन पर गांव के ही कुछ लोग कब्जा किए हुए हैं। जिससे कार्यक्रम करने में काफी दिक्कत होती है। ग्रामीण इस बात पर अड़े थे कि तत्काल भीटे की जमीन को खाली करवाया जाए क्योंकि अंबेडकर साहब की प्रतिमा भी भीटे की जमीन पर स्थापित है। और पूरे भीटे की जमीन अंबेडकर साहब की पार्क के नाम पर पहले से ही नामित है।

ग्रामीणों के लगातार दबाव और मांग की वजह से एसडीएम जखनिया ने भीटे की जमीन की तत्काल नापी करवाई और पूरे जमीन खाली करवाई बगल में स्थित मनोरमा देवी की जमीन जो भीटे से सटी हुई थी उसके कुछ दीवाल हिस्सों को तोड़ा दिया गया। इस बात से नाराज मनसा देवी ने एसडीएम से आग्रह किया कि हमारे साथ न्याय करते हुए हमारा जो काश्तकारी का जमीन है उसको दे दिया जाए, मैं भीटे की जमीन को खाली कर देती हूं इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए पूरी पैमाइश में भीटे के जमीन को खाली करवाया गया और मंशा देवी की हिस्से की जमीन को मंशा देवी को नापी करके कब्जा करवा दिया गया। हालाकि भीटे की जमीन को खाली करवाने में प्रशासन को बहुत मशक्कत करनी पड़ी। हरदासपुर कला में अंबेडकर पार्क की नामित भीटे की जमीन को प्रशासन द्वारा खाली करवाया गया, इस दौरान लगातार ग्रामीण और प्रशासन तकरार होती रही परंतु प्रशासन में ग्रामीणों को समझाया बुझा करके पक्की पैमाइश करते हुए भीटे के जमीन को खाली करवाया इस निर्णय को अंबेडकर पार्क के समिति के अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा एसडीएम जखनिया की काफी सहराना की गई और अंत में ग्रामीण और प्रशासनों की आपसी संबंध अच्छा बनाते हुए सारे मामले को शांतिपूर्ण निपटारा कर दिया गया इस मौके पर सुभाष बाग के जखनिया विधायक बेदी राम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जैसे ही आचार संहिता खत्म होता है। हम यहां नया बाबा अंबेडकर साहब की प्रतिमा का स्थापना करेंगे और जो भी अंबेडकर साहब के नामित जमीन है।सबकी बाउंड्री करवाएंगे यह आश्वासन देते हुए लोगों को समझा बुझाकर चले गए।

हाई कोर्ट ने लगाया प्रदेश सरकार पर 20 हजार का अर्थ दंड, मामला गलत ढंग से गुण्डा एक्ट लगाने का

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 की व्याख्या करते हुए गत दिनों जिला मजिस्ट्रेट गाजीपुर द्वारा मोहम्मदाबाद थाना अंतर्गत यूसुफपुर निवासी सलमान कुरेशी उर्फ पाटकर के विरुद्ध अंतर्गत धारा 3 /1 में जारी नोटिस को निरस्त करते हुए राज्य सरकार पर ?20000 का अर्थ दंड लगाया है तथा यह भी आदेश दिया है कि याचिकर्ता सलमान उर्फ पाटकर को प्रतिकार स्वरूप राज्य सरकार आयत धनराशि 2 माह के अंदर अदा करें।

माननीय न्यायालय द्वारा अपने निर्णय दिनांक 24 अप्रैल 2024 में तथ्यों को उल्लेखित करते हुए लिखा है कि अभियुक्त यांची करता को गोबध अधिनियम के अंतर्गत कोतवाली मोहम्मदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था और तत्काल बाद उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत स्थानीय पुलिस द्वारा जिला मजिस्ट्रेट गाजीपुर के न्यायालय में नोटिस जारी कर दी गई।नोटिस को चुनौती देते हुए याचिकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल किया जिसे स्वीकृत करते हुए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 15 मई 23 को अपर जिला मजिस्ट्रेट अलीगढ़ के विरुद्ध पारित आदेश को दिशा निर्देश मानते हुए आदेश पारित किया उसे पर अपना तर्क देते हुए रोज प्रकट किया और गृह विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करें कि पारित संदर्भित किसी कानून का उल्लंघन नहीं होना चाहिए यदि ऐसा नहीं होता है तो संबंधित अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है माननीय उच्च न्यायालय ने केवल एक मुकदमे में गोबध अधिनियम को आधार बना कर किसी व्यक्ति पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई नहीं किया जा सकता जब तक कि अभियुक्त पर थाने में कई अन्य मुकदमे लंबित न हो तथा उसके आचार व्यवहार से समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो या उसके द्वारा समाज को दूषित या गंदगी फैलाने का आरोप लगाया गया हो।

संक्षिप्त खबरें

नीलगाय के हमले से महिला हुई गंभीर रुप से घायल

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज थाना क्षेत्र बृजमनगंज मे नीलगाय का आतंक रुक नहीं रहा है आज मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे ग्राम सभा लालपुर मे खेत में काम करने के लिए गयी महिला के उपर नीलगाय ने हमला कर दिया प्रहार इतना तेज था कि नीलगाय का नूकीला सिंग महिला के सर के मे घूस गया। महिला को तड़पते देख ग्रामीण दौड़े तथा नीलगाय को भगाया घायल महिला को उपचार हेतु परिजनों द्वारा सीएचसी बृजमनगंज लाया गया।महिला के सर से काफी खून गिर गया था। घायल महिला का डाक्टरों ने समुचित ईलाज किया परंतु महिला की स्थिति गंभीर होने पर प्रभारी चिकित्साधिकारी शुशील गुप्ता ने जिला अस्पताल सिद्धार्थ नगर रेफर कर दिया। लालपुर निवासी घायल महिला के पति अब्दुल हमीद ने बताया कि हमारी पत्नी हमीदुद्दीन निशा उम्र लगभग 50 वर्ष खेती करने खेत में गई थी तभी नीलगाय ने आकर हमला कर दिया। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के अधिकांश गांव जंगल से सटा हुआ है जहां आये दिन जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। इसके पूर्व मे कई लोगों को नीलगाय घायल कर चुका है। शासन प्रशासन इस पर ध्यान केंद्रित करें। नीलगाय के लिए कोई उपाय करें जिससे लोगों की जान जाने से बच सके।

सलीम खान ने छोड़ी बसपा, बोले अभी किसी पार्टी में जाने की मंशा नहीं

प्रखर जौनपुर। सदर लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी श्रीकला धनंजय सिंह का टिकट काटे जाने से नाराज सदर विधानसभा के पूर्व बसपा प्रत्याशी एवं जिला उपाध्यक्ष सलीम खान ने आज पार्टी के सभी पद से इस्तीफा देते हुए बसपा से किनारा कर लिया है। सलीम खान ने कहा कि आज बहुजन समाज पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता बसपा सुप्रीमो बहन मायावती को गुमराह कर गलत फैसला लेने पर मजबूर कर रहे हैं। जिसके चलते पार्टी को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में सलीम खान ने बसपा प्रत्याशी श्याम सिंह यादव को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और इस बार जब पार्टी ने उन्हें पुनः प्रत्याशी बनाया तो उन्होंने पार्टी से ही किनारा कर लिया है। सलीम खान ने कहा कि फिलहाल वह अभी किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे और समय आने पर अपने लोगों से बातचीत करने के बाद अगला निर्णय लेंगे। सलीम खान ने कहा कि बीते 15 वर्षों से मैंने पार्टी के लिए जो कार्य किया उससे आज किनारा करते हुए मन तो बहुत दुखी है पर ऐसा निर्णय हमको लेना पड़ रहा है। फिलहाल सलीम खान के इस निर्णय के बाद से अल्पसंख्यक समाज का एक बड़ा चेहरा बसपा से विदा हो गया है। जो इस चुनाव में बसपा को काफी नुकसान पहुंचा सकता है।

चोलापुर सीएचसी ने फिर रचा इतिहास

प्रखर वाराणसी। चोलापुर सीएचसी नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास) सर्टिफाइड हुआ है। सोमवार को प्रमुख स्वास्थ्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने अधीक्षक डॉ. आरबी यादव को पत्र भेजकर बधाई दी है। वर्ष 2023-24 में 82.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर' नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस एवं मुस्कान सर्टिफिकेशन प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया है। डॉ. आरबी यादव ने कहा कि ये मेरी टीम के कारण संभव हुआ है। सीएचसी के डॉ. संतोष सिंह यादव, डॉ. आकांक्षा सिंह, डॉ. गायत्री, डॉ. अमित जैन, फार्मासिस्ट जितेंद्र यादव एवं अन्य स्टाफ ने भी अधीक्षक को शुभकामनाएं दीं।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की हुई मौत

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज थाना क्षेत्र पनियरा ग्राम सभा मुजरी निवासी एक युवक के उपर आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनू पुत्र अमरनाथ अपने साथियों के साथ क्रिकेट मैच खेल रहा था तभी आज मंगलवार को बूंदाबांदी शुरू होने के साथ आकाशीय बिजली मुनू के ऊपर गिरा जिससे उसका शरीर झुलस गया और मौके पर ही मौत हो गई। बाकी बच्चे डर के घर भाग गए तथा परिजनों को सूचना दिये। परिजनों ने युवक को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पनियरा पहुंचे जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

नौजवान लड़का ट्रेन के आगे कूद कर दिया जान

प्रखर पूर्वांचल गाजीपुर। देवकली ब्लॉक थाना- रामपुर- मांझा के अंतर्गत तंराव स्टेशन के बगल में करीब 20 वर्ष अभिषेक राम पुत्र बाबूलाल राम ग्राम सइचना थाना नंदगंज ट्रेन के आगे खुद कर कूद कर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर देवचंदपुर चौकी प्रभारी अपने टीम के साथ पहुंचकर परिवार वालों को जानकारी दे कर लास को रामपुर मांझा थाना पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

सांसद बीपी सरोज ने चंदवक में की नुक्कड़ सभा

प्रखर जौनपुर। लोकसभा मछलीशहर के अन्तर्गत विधानसभा केराकत के चन्दवक बाजार रामलीला मैदान में सांसद बीपी सरोज ने नुक्कड़ सभा किया। कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित जनों को सम्बोधित कर आगमी 25 मई 2024 को अधिक से अधिक मतदान करने की अपील किए। मछलीशहर सांसद बी पी सरोज व पूर्व विधायक केराकत गुलाब चन्द सरोज सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं